फागुन शुक्ल पक्ष-पूर्णिमा, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 279 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26
भोपाल
24 मार्च 2024 रविवार
बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
32 अधिकतम
18 न्यूनतम

लोकसभा चुनाव के चलते आचार संहिता के पहरे में लोगों तक संदेशे पहुंचाने की कवायद

होली पर इस बार सियासी रंग भी सुर्ख

भोपाल/उज्जैन, दोपहर मेट्रो।
महाकालेश्वर के आंगन में आज फूलों की होली के साथ ही पूरे देश में होली के रंगपर्व की शुरूआत हो गई। तड़के भस्म आरती में महाकाल के साथ फूलों की होली खेली गई। महाकाल का भांग, सूखे मेवों, चंदन, आभूषण और फूलों से राजा स्वरूप में श्रृंगार किया गया। पंडे - पुजारियों ने गर्भगृह में मौजूद श्रद्धालुओं पर भी पुष्प वर्षा भी की। उधर देशभर में इस बार होली के साथ सियासत के रंग भी सुर्ख हैं। लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया के बीच सभी सियासी दल लोगों के बीच होली का संदेश लेकर पहुंचने और आचार संहिता के पालन की भरसक कोशिश में हैं। उधर मप्र में भाजपा ने 'मोदी गुलाल' लेकर मतदाताओं के बीच पहुंचने की व्यापक योजना बनाई है। कांग्रेस के उम्मीदवार और नेता भी सियासी संदेशों के साथ होली में लोगों के बीच पहुंचेंगे। मप्र में पहले चरण का चुनावी मुकाबला साफ होने के बाद अब होली में नया चुनावी रंग घुला हुआ है। देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने आज लद्दाख पहुंचकर सैनिकों संग होली मनाई।

भारत में सिंगापुर के उच्चायोग ने उ र प्रदेश के बरसाना में ब्रज की होली की तस्वीरें शेयर की है। यह प्रथम सचिव सीन लिम ने खींची हैं।

सीएम यादव ने कहा पूरी ताकत झोंके

मुख्यमंत्री मोहन यादव का मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार बड़वानी जिले का दौरा चल रहा है। यादव रविवार को सुबह 9 बजे से शहर में सक्रिय हैं। उन्होंने योगमाया मंदिर में समाज प्रमुखों के साथ बैठक में हिस्सा लिया। उसके बाद निजी रिसोर्ट में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक में भाग लिया। यहां पर उन्होंने कार्यकर्ताओं को लोकसभा चुनाव में पूरी ताकत लगाकर एकजुटता के साथ पार्टी को जिताने का आह्वान किया।

इस बार खास होली

होली इस बार सिर्फ चुनाव की वजह से ही नहीं बल्कि धार्मिक महत्व के अनुसार भी खास है। शाम को होलिका दहन होगा। इस होलिका दहन का धार्मिक महत्व है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इस बार 700 वर्ष बाद होलिका दहन 9 शुभ योगों के संयोग में होगा। रात 10.50 तक भद्रा नक्षत्र रहने के चलते होलिका दहन के लिए इस वर्ष महज एक घंटे 32 मिनट तक ही शुभ मुहूर्त है।

भोजशाला का सर्वे जारी

धार की भोजशाला के सर्वे का आज तीसरा दिन है। आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया दिल्ली और भोपाल के अफसरों की टीम सुबह 8 बजे भोजशाला परिसर पहुंची। हिंदू पक्ष के गोपाल शर्मा व आशीष गोयल और मुस्लिम पक्ष के अब्दुल समद खान भी सर्वे टीम के साथ हैं। समद ने पहले दिन के सर्वे पर आपत्ति जताते हुए, उसे रद्द करने की मांग की है।

कस्टडी से केजरीवाल ने जारी किया आदेश

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जेल से ही अपना कामकाज शुरू कर दिया है। उन्होंने जल मंत्रालय को निर्देश जारी कर कहा है कि 'मुझे पता चला है कि दिल्ली के कुछ इलाकों में पानी और सीवर की समस्या है, जेल में हूं तों लोगों को तकलीफ नहीं होना चाहिए।' जल मंत्री आतिशी ने बताया कि सीएम द्वारा जेल से भेजी गई चिट्ठी देखकर उनकी आंखें भर आई हैं। केजरीवाल ने जरुरत पड़ने पर उपराज्यपाल का सहयोग लेने की सलाह दी है। जल मंत्री ने मीडिया को बताया कि मुख्यमंत्री ने क्या आदेश जारी किया है। ज्ञात हो कि दिल्ली शराब घोटाले के मामले में केजरीवाल इस समय ईडी की रिमांड पर हैं।

मोदी पिचकारी देखकर लाल-पीले होने लगे कांग्रेसी

होली के औजारों पर खास 'रंग'

ग्वालियर, एजेंसी।
होली के पर्व पर इस बार देशभर में अलग अलग रंग डिजाइन वाले पिचकारी रंग गुलाल जैसे होली के 'औजार' मौजूद हैं। मगर मार्केट में आई मोदी की तस्वीरों वाली पिचकारी को लेकर खासी चर्चा है। यह पिचकारी और त्योहार उस वक्त है जब देशभर में आम चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मप्र के ग्वालियर में मोदी पिचकारी को कर अलग रंग नजर आया है। शहर की दुकानों में सजी हुई मोदी की तस्वीर वाली भाजपा की यह पिचकरियां देखकर अब कांग्रेस के चेहरे पर होली का ही लाल रंग गुस्से के रूप में देखने को मिल रहा है। दरअसल, लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद से बीजेपी ने हर मतदाता के घर तक पहुंचाने के लिए अलग-अलग तरीके से अभियान चलाना शुरू कर दिया है। लगता है कि होली का त्यौहार भी इससे अछूता नजर है। दरअसल रंग बरसाने के लिए इस्तेमाल होने वाली पिचकारियों पर भाजपा का रंग ज्यादा नजर आ रहा है. खबरों के मुताबिक कमल के फूल व मोदी की तस्वीर वाली पिचकारी शहर की दुकानों पर देखकर कांग्रेसियों के चेहरे तमतमा रहे हैं, कांग्रेस प्रवक्ता आरपी सिंह का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी इवेंट की सरकार है और ब्रांडिंग की सरकार है, इसका जन सरोकारों से कोई लेना-देना नहीं है। वे सवाल कर रहे हैं, क्या जिन पिचकारी एवं अन्य सामग्रियों पर मोदीजी के पिक्चर आ रहे हैं, इनका सारा खर्च मोदी और भारतीय जनता पार्टी के खाते में डाल दिया है? कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि कम से कम कांग्रेसी कार्यकर्ता तो मोदी वाली पिचकारी को नहीं खरीदेगा, चाहे वह होली मनाए या न मनाए।

राहुल के खिलाफ झूठ फैला रही भाजपा: राउत

मुंबई । उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना के नेता संजय राउत ने एक बार फिर भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ झूठी कहानियां फैला रही है। इतना ही नहीं, गांधी की शक्ति वाली टिप्पणी को लेकर लगातार उनपर निशाना साध रही है। पार्टी के मुखपत्र 'सामना' में अपने साप्ताहिक स्तंभ 'रोकटोक' में राउत ने कहा कि मुंबई में अपनी रैली में गांधी ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महज मुखौटा हैं और विपक्ष को इसके पीछे की 'शक्ति' से लड़ना होगा। राज्यसभा सांसद ने कहा कि गांधी का मतलब धन शक्ति से था, जिसके खिलाफ विपक्ष को लड़ना होगा।

मोबाइल चार्जिंग के दौरान शार्टसर्किट से आग में चार बच्चों की मौत

मेरठ, एजेंसी।
शहर की मोदीपुरम की जनता कॉलोनी में मजदूर के घर में शॉर्ट सर्किट से मोबाइल में धमाका हो गया और कमरे में आग लग गई। इससे कमरे में मौजूद चार बच्चे बुरी तरह झुलस गए। बच्चों को बचाने पहुंचे दंपती भी झुलस गए। आग पर काबू के बाद पुलिस ने सभी को अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान चारों बच्चों की मौत हो गई है। अभी दंपती की हालत गंभीर बनी हुई है। बताया गया कि बच्चे कमरे में खेल रहे थे। कमरे में बेड पर तार बिखरे हुए थे और बच्चे मोबाइल का चार्जर बिजली के बोर्ड में लगा रहे थे। चार्जर लगाने के दौरान शॉर्ट सर्किट हो गया। तारों में आग लगने से मोबाइल में धमाका हुआ और बेड में आग लग गई।

वायुसेना के पूर्व प्रमुख भदौरिया भाजपा में

नई दिल्ली । भारतीय वायुसेना के पूर्व प्रमुख एयर चीफ मार्शल (रिटायर्ड) आरकेएस भदौरिया रविवार को भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और भाजपा के महासचिव विनोद तावड़े की मौजूदगी में पार्टी का दामन थामा। अपने इस फैसले पर रिटायर्ड एयर चीफ मार्शल ने प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई नेताओं का शुक्रिया जताया। उन्होंने कहा, मैं बहुत भाग्यशाली रहा हूं कि अपनी जिंदगी के 40 साल से ज्यादा भारतीय वायुसेना के लिए काम कर पाया। ये एक बहुत बड़ा गौरव का विषय रहा है। इस दौरान सबसे स्वर्णिम अवसर वह रहा है, जो कि मेरी सेवा के पिछले 8 से 10 वर्षों में इस पार्टी की सरकार की तरफ से जो कठोर कदम उठाए गए, भारतीय सेनाओं को मजबूत करने के लिए, आत्मनिर्भर करने के लिए।

सूचना

होली पर्व के मौके पर दोपहर मेट्रो कार्यालय में 25 मार्च 2024 को अवकाश रहेगा।

आज का कार्टून

बदायूं में बच्चों की हत्या से आहत पिता ने किया खुदकुशी का प्रयास

बदायूं, एजेंसी।
बीते दिनों बाबा कॉलोनी में दो बच्चों की निर्मम हत्या के बाद आज नया घटनाक्रम सामने आया। इन बच्चों के पिता ने सुबह करीब दस बजे घर के सामने अपनी बाइक में आग लगा दी और आत्महत्या की कोशिश की। यह देख कर मौके पर मौजूद लोगों में खलबली मच गई। सूचना पर तुरंत पुलिस पहुंच गई। 500 मीटर दूर खड़ी फायर ब्रिगेड बुलाई गई और तुरंत आग पर काबू पा लिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुतबिक, सुबह करीब दस बजे बच्चों के पिता विनोद कुमार ने अपनी बाइक घर से निकाल कर बाहर खड़ी की थी। फिर बाइक में पेट्रोल का पाइप खींच दिया, जिससे उसका पेट्रोल बाहर निकलने लगा। उसने तुरंत माचिस की तीली जलाकर आग लगा दी और आत्महत्या की कोशिश की। चूंकि सड़क के दूसरी ओर अर्थसैनिक बल तैनात था। यह देखकर वह दौड़ कर आ गए। अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए हैं तथा मामले की जानकारी कर रहे हैं।

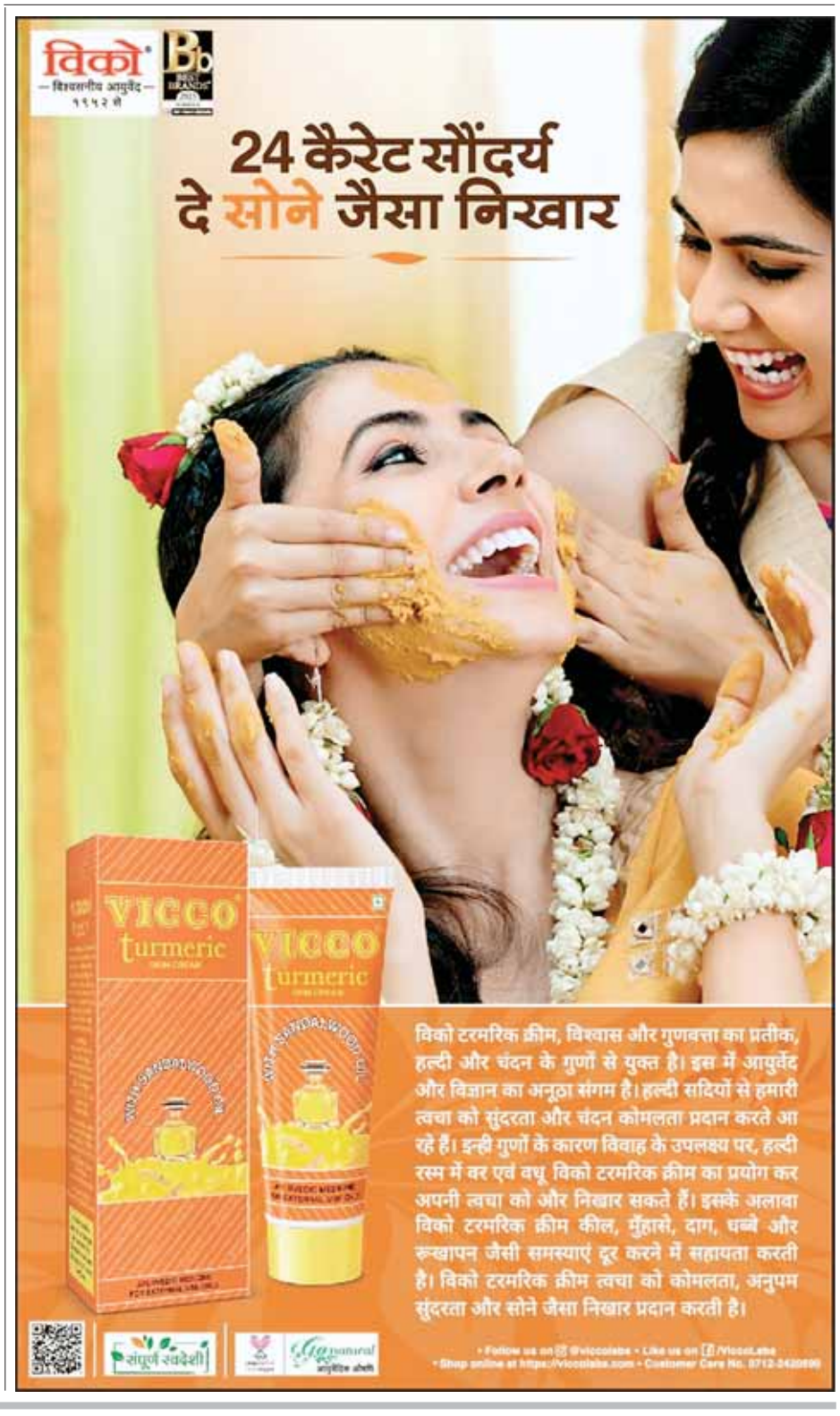

मेट्रो एंकर केरल के सांसद जयपुर के लोकसभा उम्मीदवार के पुराने ट्वीट पर भड़के...

थरूर ने बस एक शब्दकोश चुराया था...!

नई दिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस सांसद शशि थरूर वैसे तो सौम्य राजनेता हैं, वे बहुत भारी और आकर्षक शब्दों का प्रयोग करके महफिल भी लूटते रहे हैं। लेकिन इस समय वे बिफरे हुए हैं, इसकी वजह वह पुराना ट्वीट है जिसने उनकी कई साल पुरान आग को भड़का दिया है। यह 'द जयपुर डायलॉग्स' का एक ट्वीट है। ट्वीट में कहा गया था-'शशि थरूर राहुल गांधी ही तो हैं, बस उन्होंने लाइब्रेरी से बाहर जाते हुए एक शब्दकोश चुरा लिया था।' यह ट्वीट सुनील शर्मा का है,जिन्हें कांग्रेस ने जयपुर से उम्मीदवार घोषित किया है। थरूर ने लिखा है- '24 अकबर तक जाने वाली सड़क पर चलते वक्त उनमें दिव्य बदलाव हो गया होगा। ये उस वक्त का उनका एक ट्वीट है जब उन्होंने मुझ पर हमला किया था।' सिर्फ थरूर ही नहीं बल्कि कई अन्य नेता भी दबी जुबान शर्मा के विरोध में उतर रहे हैं। लिहाजा अब ज्यादा विवाद जयपुर सिटी के प्रत्याशी सुनील शर्मा को लेकर ही है।

दरअसल, कांग्रेस ने जयपुर सिटी सीट से सुनील शर्मा को टिकट दिया तो चर्चा ज्ञान विहार यूनिवर्सिटी को लेकर शुरू हुई। शर्मा इस यूनिवर्सिटी के चांसलर हैं, लेकिन धीरे-धीरे चर्चा 'जयपुर डायलॉग्स' पर आ गई और इसको लेकर अब सोशल मीडिया पर बवाल मच चुका है। आरोप है सुनील का लिंक जयपुर डायलॉग्स फोरम के डायरेक्टर से हैं। इसके अलावा वह यूट्यूब चैनल पर कई वीडियो और चर्चाओं में शामिल होते रहे हैं। जयपुर डायलॉग एक यूट्यूब चैनल है। आरोप है कि इस चैनल का कॉन्टेंट माइनॉरिटी और विपक्षी दलों के खिलाफ नफरती है। इसके साथ ही चैनल पर आरोप है कि वो एक दक्षिणपंथी प्रोपेगेंडा चलाता है। यही वजह है शर्मा को कांग्रेस के जयपुर सिटी से प्रत्याशी बनाए जाने पर सवाल उठ रहे हैं। जबकि शर्मा ने इसको लेकर कहा है कि ÷मेरा जयपुर डायलॉग यू ट्यूब चैनल के प्रबंधन से कभी भी कोई वास्ता नहीं रहा, मैं सभी न्यूज़ चैनल्स और यूट्यूब चैनल्स पर अक्सर कांग्रेस दर्शन अनुसार समावेशी भारत निर्माण पर पैनलिस्ट के तौर पर आमंत्रित किया जाता हूं। इसी क्रम में जयपुर डायलॉग यूट्यूब चैनल ने कुछ सामाजिक मुद्दों पर मुझे विभिन्न प्रश्नों पर कांग्रेस के विजन के अनुसार बोलने को जरूर बुलाया था और वहां भी मैंने यथा योग्य भारत की उद्दात परंपरा की पैरोकारी और सदैव धार्मिक संकीर्णता का डटकर विरोध किया है। जिस जयपुर डायलॉग फोरम (इसका यूट्यूब के स्वामित्व से कोई लेना-देना नहीं है) की डाइरेक्टरशिप के बारे में कतिपय लोग अपने निहित स्वार्थ के चलते अफवाह उड़ा रहे है जिससे मैं काफी समय पहले अलग हो चुका हूं।

भोपाल। नूतन कॉलेज में छात्राओं ने होली अवकाश शुरू होने से पहले जमकर रंग खेला। वही होलिका दहन के लिए होलिका माता की मूर्ति को तैयार करता हुआ मूर्तिकार। फोटो निर्मल व्यास

राजधानी में होलिका उत्सव की जोरदार तैयारी, भद्रा का साया भी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आज राजधानी में सैंकडों स्थान पर होलिका दहन की तैयारी है। हालांकि होलिका पर भद्रा का साया रहेगा। भद्रा होने से रात 10.50 बजे के बाद ही होलिका दहन करना शुभ रहेगा। वैसे इस दिन फाल्गुन पूर्णिमा के चलते चंद्रग्रहण भी रहेगा, जो भारत में नहीं दिखेगा। यह उप छाया ग्रहण है इसलिए इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। राजधानी भोपाल में 2000 से अधिक स्थानों पर होलिका दहन किया जाएगा। सामाजिक, धार्मिक, व्यापारिक संगठनों ने होलिका दहन के लिए गोकाष्ठ खरीदे हैं। रविवार को शहर के माता मंदिर, कोलार मंदाकिनी मैदान, भेल पिपलानी, अयोध्या बायपास, अवधपुरी सहित शहर के कुल 45 स्थानों पर 10 रुपये प्रतिकिलो गोकाष्ठ मिल रहा है। ज्योतिषाचार्य पंडित रामजीवन दुबे ने बताया होलिका दहन रवि, बुधादित्य और सर्वार्थ सिद्धि योग में होगा। अगले दिन 25 मार्च को होली खेली जाएगी। इस अवधि में 24 को व्रत और 25 को स्नान-दान पूर्णिमा रहेगी। खरमास का समापन भी होली के दिन होगा।

भद्रा सुबह 9.47 बजे प्रारंभ

पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि 24 मार्च को भद्रा सुबह 9.47 बजे प्रारंभ हो गई है। यह इस दिन रात 10.50 बजे तक रहेगी। भद्रा का विशेष प्रभाव शाम 6.33 बजे से रात 10.50 बजे तक रहेगा। भद्रा काल में होलिका दहन करना अशुभ माना गया है। इसलिए भद्रा काल खत्म होने के बाद होलिका दहन करना श्रेष्ठ रहेगा।पुराणों के अनुसार भद्रा भगवान सूर्य की पुत्री और शनिदेव की बहन है। पंचांग शुद्धि में भद्रा का खास महत्व होता है। यह प्रायःअशुभ दृष्टि वाली है। ज्योतिष में तिथि, वार, योग, नक्षत्र और करण से मिलकर पंचांग बनता है। इनमें से सातवें करण विष्टि का नाम ही भद्रा है। यह सदैव गतिशील होती है। वैसे तो भद्रा का अर्थ मंगल करने वाला होता है, लेकिन इस अर्थ के विपरीत विष्टि या भद्रा करण में शुभ कार्य निषेध बताए गए हैं।

भोपाल में सरदार पटेल स्कूल की मान्यता समाप्त, पालक महासंघ ने कहा- हो गोपनीय जांच

डमी छात्रों के रूप में प्रवेश के मामले में छिन सकती है कुछ और स्कूलों की मान्यता

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के कई निजी स्कूलों में डमी छात्र के रूप प्रवेश देने का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा भोपाल के एक स्कूल सहित देशभर के करीब 20 स्कूलों में सख्त कार्यवाही करते हुए इनकी मान्यता समाप्त की गई है। ऐसे में निजी स्कूल संचालकों के बीच हड़कंप मचा हुआ है। वहीं दूसरी ओर निजी स्कूलों और कोचिंग संचालकों की मिलीभगत से चलने वाले इस खेल का जमकर विरोध किया जा रहा है। मामले में पालक महासंघ मप्र ने लोक शिक्षण संचालनालय आयुक्त को पत्र लिखा है। पत्र में पालक महासंघ ने कहा है कि प्रदेश के विभिन्न निजी स्कूलों द्वारा छात्रों विशेषकर हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों को डमी छात्रों के रूप में प्रवेश दिया जा रहा है, इसमें बच्चे साल भर स्कूल में उपस्थित नहीं होते केवल परीक्षा देने हेतु उपस्थित होते है और स्कूल के समय कोचिंग संस्थाओं में उपस्थित रहते है। स्कूलों द्वारा पुरे सत्र की फीस प्राप्त की जाती है। यह कृत्य हमारी स्कूल शिक्षा प्रणाली के साथ मजाक है। सीबीएसई द्वारा इस आधार पर हाल ही में भोपाल के एक स्कूल सहित देश के 20 स्कूलों की मान्यता समाप्त कर दी है। पालक महासंघ ने मांग है कि प्रदेश के निजी स्कूलों में गोपनीय जांच की जाय और जिन स्कूलों में यह अनियमितता पाई जाय, उसकी मान्यता तुरंत रद्द की जाए। स्कूलों में आधार आधारित बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य की जाए एवं कोचिंग संस्थान पर भी भारत सरकार के निर्देशों के आधार पर कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

यह होता है डमी प्रवेश

सूत्रों की माने तो नीट, जेईई मेंस जैसी परीक्षा की तैयारी करने वाले कई छात्र स्कूलों में डमी प्रवेश लेते हैं। इसके बदले में स्कूलों को मोटी फीस भी दी जाती है। यह छात्र इन स्कूलों में सिर्फ एग्जाम देने ही जाते हैं। ऐसे में इन्हें बिना स्कूल जाए ही 12वीं पास की अंकसूची मिल जाती है। यह सब कोचिंग संस्था एवं स्कूल संचालकों की मिलीभगत से होता है।

भोपाल के सरदार पटेल स्कूल समाप्त

डमी प्रवेश देने के कारण केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा भोपाल के मिसरोद स्थित सरदार पटेल स्कूल मान्यता समाप्त कर दी है। सीबीएसई के अधिकारियों की माने, तो निरीक्षण दौरान यह डमी प्रवेश का फर्जीवाड़ा सामने आया था। स्कूल की मान्यता समाप्त होने के बाद पहली से बारहवीं तक के सभी विद्यार्थियों को अन्य स्कूलों में प्रवेश लेना होगा।

कई सेंटर ऐसे जहां स्कूल की तरह चल रहीं कक्षाएं

राजधानी के एमपी नगर समेत कुछ इलाकों में बड़ी संख्या में संचालित कोचिंग सेंटरों में करीब तीन लाख विद्यार्थी प? रहे है। इनमें से कई सेंटर ऐसे भी है, जिनमें स्कूल की तरह कक्षाएं संचालित की जाती है। इन संस्थाओं में अधिकांश छात्र दसवीं पास है। उनकी उम्र 16 साल के आसपास है।

सीएम राइस बरखेड़ी में हुई शतरंज प्रतियोगिता

भोपाल। राजधानी के शासकीय उमावि बरखेड़ी सीएम राइस स्कूल में दो दिवसीय शाला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का प्रारंभ हुआ। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन गुरमीत सिंह ,मप्र शतरंज संगठन के अध्यक्ष एवं कपिल सक्सेना संयुक्त सचिव मप्र शतरंज एसोसिएशन एवं अंतरराष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ी के द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में लगभग 42 विद्यार्थियों ने भाग लिया है। यह शतरंज प्रतियोगिता दो दिवस तक चलेगी।

भगतसिंह राजगुरु सुखदेव के शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई

हेमू कालाणी राष्ट्र के गौरव थे

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

पूज्य सिंधी पंचायत संतनगर ने शहीद हेमू कालाणी का 101वां जन्मदिवस मनाया गया। मुख्य कार्यक्रम नव निर्मित अमर शहीद हेमू कालाणी स्टेडियम स्थित हेमू कालाणी की सुंदर आकर्षित आदमकद की प्रतिमा के समक्ष मनाया गया।

पंचायत के अध्यक्ष साबू रीझवानी ने अमर शहीद हेमू कालाणी को राष्ट का गौरव बताया तथा देश की आजादी के लिए हस्ते हस्ते जवानी न्यौछावर करने की कुर्बानी को कभी बुलाया नही जा सकता रीझवानी ने हेमू कालाणी को सुरवीर, कर्मवीर, धर्मवीर, बहादुर, नीडर व सच्चा देश भक्त बताया व उन्हे देश भक्त का जुनून था फलस्वरुप उनकी हर जगह प्रतिमा लगाई गई है। हमेशा राष्ट को देश भक्ति की प्रेरणा जागृत करता रहेगा।

नगर निगम के पार्षद अशोक मारण व भाजपा जिला उपाध्यक्ष राम बसंल ने भी हेमू कालाणी के जीवन पर विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन माधू चांदवानी ने किया। इसके अतिरिक्त बस स्टेण्ड फायर बिग्रेड के समीप स्थित हेमू कालाणी पर फूल चढाए। कार्यक्रम में पंचायत पदाधिकारियों एवं शहर के गणमान्य लोग मौजूद रहे। अंत में दो मिनट का मौन रखकर भगतसिंह राजगुरु सुखदेव के शाहदत दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

बच्चों ने शहीदों को किया नमन

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संतनगर के स्कूलों में भी अमर शहीद हेमू कालाणी, भगत सिंह, राजगुरू, सुखदेव को याद किया गया। शिक्षक- शिक्षिकाओं एवं बच्चों ने पुष्प अर्पित किए। साधु वासवानी स्कूल में अमर शहीद हेमू कालानी की जयंती व शहीद भगत सिंह, शहीद सुखदेव, शहीद राजगुरु का बलिदान दिवस मनाया गया। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने कहा कि शहीद हेमू कालाणी, शहीद भगत सिंह, शहीद सुखदेव, शहीद राजगुरु पर देश को सदैव गव्र रहेगा। उनकी कुर्बानियों को यह देश हमेशा याद रखेगा। शिक्षिका दीक्षा रामनानी ने हेमू कालाणी के जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में सभी शिक्षक, शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों ने क्रांतिकारियों को नमन किया। दीपमाला पागारानी संस्कार पब्लिक स्कूल में शहीद हेमू कालानी की जयंती मनाई गई। संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी, महानगर नागरिक सहकारी बैंक के सी.ई.ओ. प्रकाश आसुदानी ने शहीद हेमू कालानी के छाया चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। अतिथियों ने कहा कि देश की आजादी की नींव में क्रांतिकारियों का बलिदान है। हिन्दुस्तान हमेशा उनका ऋणी रहेगा। हेमू कालानी के जीवन को भी रेखांकित किया गया। दो मिनट को मौन रखकर भगतसिंह, राजगुरू और सुखदेव को श्रद्धांजलि दी। शहीद हेमू कालानी को नमन किया गया।

प्रतिभा अंलकरण समारोह में प्रतिभाएं हुईं सम्मानित

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

साधु वासवानी स्वशासी महाविद्यायल में शनिवार को पुरस्कार एवं प्रतिभा अंलकरण समारोह का आयोजन किया गया। सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी का पुरस्कार लवप्रीत सिंह को दिया गया। महाविद्यालय की एन.सी.सी. कैडट शिवानी को गणतंत्र दिवस समारोह में कर्तव्य पथ की परेड में शामिल होने के लिए पुरस्कृत किया गया। कक्षाओं में सर्वोच्च अंक लाने वाले विद्यार्थियों को भी पुरस्कार दिए गए।विभिन्न प्रतियोगिताओं, रंगोली, वादविवाद, अंताक्षरी, मेंहदी, प्रश्न मंच आदि प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार से अंलकृत किया गया । खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया । कार्यक्रम में अतिथि के रूप में मनोहर ममतानी, विशेष अतिथि मनोज नचनानी एवं राजेश हिंगोरानी, पूर्व सांसद रघुनंदन शर्मा मौजूद रहे।

कक्षाओं में सर्वोच्च अंक लाने वाले विद्यार्थियों को भी पुरस्कार दिए गए

अतिथियों ने कहा कि आत्मविश्वास व समय का प्रबंधन कर अपने सपनों को हासिल करने में सफलता पाएं। इस अवसर पर साधु वासवानी एज्यूकेश्लन सोसायटी के अध्यक्ष दयालदास डेटानी, महासचिव राजेन्द्र मनवानी व प्रबंधन समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे।

मेट्रो एंकर

दो दिन से बंद थे मंदिर के पट, केवल होती थी आरती

अंततः शिव मंदिर से विरोध के बीच हटा अतिक्रमण

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संतनगर के मुख्य मार्ग पर स्थित शिव मंदिर गोल चक्रा के पास अतिक्रमण हटाने को लेकर नगर निगम ने कार्रवाई की। बीते दो दिनों से अतिक्रमण के विरोध में मंदिर के दरवाजे बंद थे। मंदिर के आसपास होली का सामान और फूलों वालों ने कब्जा कर लिया था।

निगम अमले की कार्रवाई का कब्जाधारियों ने सड़क पर उतरकर विरोध किया। गुलाल अपने ऊपर डाल लिया और फूल स?क पर फेंक दिए। उनका आरोप था, गरीबों के साथ अन्याय किया जा रहा है। निगम को पूरे शहर के अतिक्रमण नहीं दिख रहे हैं। निगम अमले ने अतिक्रमण अधिकार महेश गोहर के नेतृत्व में कार्रवाई की। गोहर ने बताया कि मंदिर के पास अतिक्रमण की शिकायत मिली थी। शुक्रवार को भी इन लोगों को हटाया गया था, लेकिन इन ने फिर से कब्जा कर लिया था। अतिक्रमण कारियों ने नगर निगम के खिलाफ जमकर नारेबाजी की थी।

बता दे पुजारी के साथ दुर्व्यवहार के बाद मंदिर समिति ने मंदिर को बंद रखने का फैसला लिया था। मामले में पूज्य सिंधी पंचायत संत नगरवासियों को लेकर मंदिर परिसर में इकटठे हुए। अतिक्रमण हटाए जाने की मांग की। पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष साबू रीझवानी के नेतृत्व में संतनगरवासीयो को एकजुट किया गया। जहां पार्षद व एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी व पार्षद अशोक मारण भी उपस्थित हुए। जिन्हे मंदिर की समस्याओं से अवगत कराया गया पार्षद हिंगोरानी ने नगर निगम के अतिक्रमण अधिकारी महेश गोहर को निर्देश देते हुए तत्काल मंदिर परिसर से अतिक्रमण हटाने की बात कही। नगर निगम ने तत्काल कार्यवाही करते हुए मंदिर परिसर से अतिक्रमण हटाया गया। अतिक्रमण कारियों द्वारा की गई तोड़फोड़ के विरोध में थाने में शिकायत की जाएगी।

मंदिर परिसर में पंचायत महासचिव माधू चांदवानी, अखिल भारतीय सिंधी समाज के महासचिव सुरेश जसवानी, नंद दादलानी, गुलाब जेठानी, परषोत्तम हरचंदानी, राज मनवानी, महेश खटवानी, किशोर साधवानी, रमेश वाधवानी, बली आहूजा, चंद्र भोजवानी, हरिश वासवानी, आसन मेहरचंदानी, बबलू टेकचंदानी, सुभाष अग्रवाल व अन्य मौजूद रहे।

28 मार्च तक पूरा करना होगा 9वीं-11वीं का मूल्यांकन अगले माह एक अप्रैल तक परिणाम जारी करने की तैयारी

सभी प्राचार्य को अपने स्कूल के परीक्षा परिणाम को विमर्श पोर्टल पर अपलोड करना होगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में 9वीं व 11वीं की वार्षिक परीक्षाएं समाप्त हो चुकी है। इन परीक्षा का का मूल्यांकन भी शुरू हो चुका है। हर जिले में चार संकलन केंद्र बनाए गए हैं। यहां से उत्तरपुस्तिकाओं को एक संकुल से दूसरे संकुल के शिक्षकों मूल्यांकन के लिए दी जा रही है। मूल्यांकन कार्य 28 मार्च तक पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। दोनों कक्षाओं का परिणाम एक अप्रैल को घोषित करने की तैयारी है। सभी संकुल प्राचार्यों को निर्देशित किया गया है कि पांच अप्रैल तक सभी प्राचार्य अपने स्कूल के परीक्षा परिणाम को विमर्श पोर्टल पर अपलोड करना होगा।

वार्षिक परीक्षा के अंकों का अधिभार 70 प्रतिशत

9वीं व 11वीं की उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने निर्देश पुस्तिका जारी किए हैं। इस बार नौवीं में सतत एवं व्यापक अधिगम तथा मूल्यांकन (सीसीएलई) के तहत 20 प्रतिशत अंक दिए जाने का निर्णय लिया गया है। सभी विषयों में सीसीएलई के तहत 20 प्रतिशत, पांच प्रतिशत तिमाही परीक्षा के अंकों का अधिभार और पांच प्रतिशत छमाही परीक्षा के अंकों का अधिभार शामिल है। इसके बाद वार्षिक परीक्षा के अंकों का अधिभार 70 प्रतिशत रहेगा।

मूल्यांकन में शिक्षकों की कमी को पूरा करने अन्य जिलों से बुलाए जाएंगे शिक्षक

राजधानी के मॉडल टीटी नगर स्कूल में बोर्ड परीक्षा के लिए मूल्यांकन केन्द्र बनाया गया है। करीब 70 फीसदी काम पूरा हो चुका है। लेकिन भूगोल, सामाजिक विज्ञान सहित कुछ विषयों में दिक्कत आ रही है। अधिकारियों ने बताया इनका मूल्यांकन बाकी के मुकाबले पिछड़ गया है। बताया गया कि अगर जिले में इन विषयों के शिक्षक नहीं मिले तो आसपास के जिलों से सहयोग लिया जाएगा। कक्षा दसवीं और बारहवीं का मूल्यांकन पूरा करने के लिए अन्य जिलों से शिक्षक बुलाए जा सकते हैं। कुछ विषयों की उत्तरपुस्तिकाओं की जांच में आ रही दिक्कत के कारण इस पर बात चल रही है।

भाजपा कार्यकर्ता घरों में 'मोदी गुलाल' और गुजिए लेकर पहुंचेंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो। भारतीय जनता पार्टी मप्र के सभी 64523 बूथों पर 25 मार्च को होली मिलन आयोजन कर रही है। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ता अपने-अपने बूथ पर बूथ समिति, पन्ना प्रमुखों व वरिष्ठ कार्यकताओं के साथ होली मिलन का कार्यक्रम करेंगे। पार्टी के सभी कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को ''मोदी गुलाल'' लगाएंगे और प्रधानमंत्री मोदी की तरफ से लोगों को होली की राम-राम कहेंगे। होली मिलन का यह अभियान प्रदेशभर में होली के असर पर चलाया जाएगा।

पार्टी प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि बूथ स्तर पर आयोजित होने वाले होली मिलन कार्यक्रम में 'मोदी गुलाल' खास होगा और गुजिए भी होंगे। भाजपा एक परिवार है और हम सब प्रधानमंत्री का परिवार हैं। लिहाजा बूथ समिति के साथ पन्ना प्रमुखों और वरिष्ठ कार्यकर्ता वरिष्ठजनों के साथ मिलकर होली मनाएंगे। लोग एक-दूसरे को मोदी गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं देंगे। इसके बाद कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को मोदी गुलाल लगाएंगे।

फाइल फोटो

महिला कार्यकर्ता भी करेंगी घर-घर संपर्क

शर्मा ने कहा कि पार्टी की महिला कार्यकर्ता भी होली मिलन के तहत घर-घर संपर्क करेंगी और माताओं-बहनों को मोदी गुलाल लगाकर उनको राम-राम कहेंगी। कार्यकर्ता समाज के वरिष्ठजनों, प्रबुद्धवर्ग, गणमान्य व्यक्तियों के साथ पार्टी के की वोटर्स के घर जाकर उन्हें होली की शुभकामनाएं देंगे। शर्मा ने कहा कि हमारे सनातन में शोकाकुल परिवार से भी होली के दिन उनके घर जाकर मिलने और उनके दु:ख में शामिल होने की प्रथा है। कार्यकर्ता शोकाकुल परिवारों के यहां भी जाकर उनके दु:ख में शामिल होंगे।

वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को प्रभावक्षेत्र में समन्वय का जिम्मा

मप्र कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने लोकसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए मध्यप्रदेश में 29 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों के लिए संभाग अंतर्गत वरिष्ठ नेताओं को कहा है कि वे उम्मीदवारों की यथासंभव मदद करें। पटवारी ने कहा कि वरिष्ठ नेता प्रदेश भर में कांग्रेस प्रत्याशियों के पक्ष में समर्थन करने के साथ साथ अपने संभागों के प्रत्याशियों को विशेष रूप से अपना, मार्गदर्शन एवं समन्वय प्रदान करें। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को जबलपुर संभाग, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरूण यादव को इंदौर संभाग, विवेक तन्खा को सागर, अजय सिंह राहुल भैया को रीवा-शहडोल संभाग, उमंग सिंघार को उज्जैन और पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह को ग्वालियर-चंबल संभाग में कांग्रेस प्रत्याशियों को विजयी मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु आग्रह किया है।

आयोग को मिली चुनाव से जुड़ी 173 शिकायतें, प्रत्येक शिकायतकर्ताओं को 100 मिनट के भीतर सुना

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में लोकसभा चुनाव होने वाले हैं और आयोग इसको लेकर काफी सक्रिय है। 22 मार्च तक आयोग को 173 शिकायतें मिल चुकी हैं। इनमें से प्रत्येक शिकायत को आयोग ने 100 मिनट के भीतर सुना है और संबंधित शिकायत कर्ता को संतुष्ट करने का प्रयास किया है। ये शिकायतें सी-विजिल एप के जरिए मिली है। कुछ शिकायतें अन्य माध्यमों से भी आई है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने नागरिकों से अनुरोध किया है कि यदि वे निर्वाचन में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन से जुड़ी किसी भी प्रकार की सीधी शिकायत करना चाहते हैं, तो वे सी-विजिल एप के माध्यम से कर सकते हैं। इसके लिए संबंधित नागरिक को गूगल प्ले स्टोर पर जाकर सी-विजिल एप डाउनलोड करना होगा। इसके लिए नागरिक को ऐसी किसी भी घटना की जानकारी होने पर फोटो या वीडियो सी-विजिल एप पर अपलोड करना होगा। शिकायत मिलने पर अगले 100 मिनट के भीतर कार्यवाही की जाएगी। आयोग द्वारा आदर्श चुनाव आचरण संहिता के उल्लंघन वाली शिकायतों के निवारण के लिए सी-विजिल एप तैयार किया गया है। इस एप के जरिए कोई भी नागरिक राजनैतिक दलों या प्रत्याशियों द्वारा मतदाताओं को लुभाने के लिए किसी भी तरह से धन, सामग्री, कपड़े, जेवरात आदि का वितरण करने, मतदाताओं को उनके पक्ष में मतदान करने के लिए धमकाने, मतदाताओं को स्वयं के वाहन से परिवहन करने, किसी भवन स्वामी की अनुमति के बिना उसके भवन या दीवारों पर प्रचार सामग्री लगाने या दीवार पर विज्ञापन लिखवाने सहित अन्य प्रकार की शिकायत कर सकता है।

सोशल मीडिया के कंटेंट की निगरानीके लिए बनी यूनिट

भोपाल, दोपहर मेट्रो। केंद्र सरकार ने सोशल मीडिया पर कंटेंट की निगरानी के लिए फैक्ट चेक यूनिट के गठन की अधिसूचना जारी कर दी। संशोधित आइटी नियमों के तहत यूनिट का गठन किया गया है। सरकार का कहना है कि इसका मकसद भ्रामक जानकारियों पर लगाम लगाना है। हालांकि कई पत्रकारों और विशेषज्ञों ने आशंका जताई कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सरकार की आलोचना करने वाले मीडिया की स्वतंत्र रिपोर्टिंग को कुचलने की कोशिश है।

चुनावी छोटी-बड़ी खबरें

बैठक: प्रचार सामग्री सहित पंपप्लेट, बैनर पर मुद्रक प्रकाशक का नाम आवश्यक, नहीं तो होगी कार्रवाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो। लोकसभा निर्वाचन - 2024 के दौरान राजनीतिक दलों और अभ्यर्थियों को प्रचार-प्रसार के लिए छपवाए जाने वाले पंपप्लेट, बैनर, पोस्टर सामग्रियों पर मुद्रक व प्रकाशक का नाम-पता और मुद्रित सामग्री की संख्या स्पष्ट छापनी होगी। मुद्रित सामग्री की चार प्रति प्रकाशक मुद्रक का घोषणा पत्र सहित मुद्रण के तीन दिन के अंदर जिला निर्वाचन कार्यालय को निर्धारित प्रारूप के साथ उपलब्ध कराना होगी। शनिवार को एडीएम हर्षल पंचोली की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों, प्रिंटिंग प्रेस प्रतिनिधियों और जिला निर्वाचन कार्यालय के अधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में एडीएम पंचोली ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 127 के तहत प्रचार सामग्रियों के मुद्रण के बारे में निर्वाचन आयोग के दिशा - निर्देशों की जानकारी दी। निर्देशों के उल्लंघन पर कार्रवाई की जानकारी भी दी।

अब प्रत्याशी ऑनलाइन भी भर सकते हैं पर्चा

भोपाल, दोपहर मेट्रो। अब लोकसभा प्रत्याशी नामांकन ऑनलाइन कर सकते हैं। प्रत्याशियों के लिए सुविधा एप भी है। प्रत्याशी यहां अपनी चुनावी सभाओं समेत अन्य मंजूरी प्रक्रियाएं भी पूरी कर सकते हैं। प्रत्याशियों को आयोग ने जमानत राशि ऑनलाइन जमा करने की सुविधा भी दी है। चुनाव आयोग ने इसके लिए अपनी वेबसाइट पर लिंक जारी किया है। सुविधा डॉट इसीआइ डॉट जीओवी डॉट इन से नामांकन फार्म जमा किया जा सकता है। हालांकि यहां से इसका प्रिंट निकालकर रिटर्निंग ऑफिसर को भी तय स्थान पर जाकर एक हार्डकॉपी जमा करना होगी।

25 मार्च तक एक हजार विलंब शुल्क के साथ होंगे डीएलएड के आवेदन

भोपाल, दोपहर मेट्रो। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने सत्र 2023-24 की डीएलएड प्रथम और द्वितीय वर्ष की परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। मंडल द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, इस परीक्षा के लिए 15 मार्च तक सामान्य शुल्क के साथ यह आवेदन भरे जाने का समय दिया गया थ। 16 मार्च से 20 मार्च तक 500 रूपए विलंब शुल्क के साथ विद्यार्थी आवेदन किए गए। वहीं अब 21 से 25 मार्च तक एक हजार रुपए के साथ आवेदन भरे जा रहे हैं। इसके बाद 26 से 30 मार्च तक 1500 रूपए विलम्ब शुल्क के साथ भी आवेदन फार्म भरे जा सकेंगे।

मेट्रो एंकर सीटों संख्या स्कूलों की क्षमता के आधार पर तय की जाएगी

सीएम राइज स्कूलों में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी, 28 को जारी होगी प्रवेश सूची

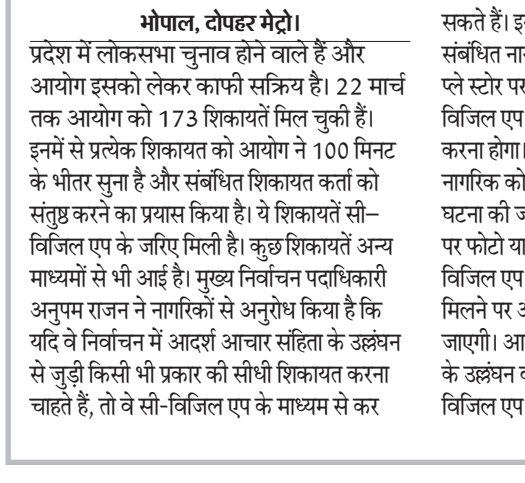

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सीएम राइज स्कूलों में नए शिक्षा सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया 16 मार्च से शुरू हुई थी। भोपाल जिले में सात सीएम राइज स्कूल में प्रवेश के लिए आवेदन जमा कराए गए हैं। कक्षा पहली, छठवीं और नौंवी कक्षा में प्रवेश होना है। राजधानी सहित प्रदेश के सीएम राइज स्कूलों में एडमिशन पाने के लिए आवेदन की प्रक्रिया शनिवार को पूरी होगी। लॉटरी सिस्टम के आधार पर नामों का चयन कर 28 मार्च को सूची जारी की जाएगी। लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने स्कूलों को नोटिस बोर्ड के साथ ही पोर्टल पर भी सीटों की जानकारी अपलोड करने के आदेश दिए हैं। स्कूलों की बिल्डिंग तैयारी न होने के कारण सीटों संख्या स्कूलों की क्षमता के आधार पर तय की जाएगी। सीटें खाली रहने के बाद अन्य को प्रवेश मिलेगा। इसके अलावा बालक उमावि बैरसिया, हाईस्कूल बर्रई, महात्मा गांधी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में दाखिले कराए गए हैं। स्कूलों में सीटों की संख्या के अनुसार ऑफलाइन आवेदन लिए गए। सीएम राइज रशीदिया स्कूलों में कक्षा-1 से 12वीं तक 40-40 सीटें हैं। कक्षा एक को छोड़कर शेष सीटों पर पहले स्कूलों के ही बच्चों को प्रवेश दिया जाएगा।

ट्रांजेक्शन फेल होने से लाखों विद्यार्थियों को नहीं मिली छात्रवृत्ति

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

विद्यार्थियों के बैंक खाते त्रुटिपूर्ण होने के कारण स्कूल शिक्षा विभाग छात्रवृत्ति का भुगतान नहीं कर सका है। बैंक खाते त्रुटिपूर्ण होने से बार-बार ट्रांजेक्शन फेल हो गए। अब सभी विद्यार्थियों के खाते अपडेट किए जाएंगे। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) के संचालक केके द्विवेदी के संभागीय संयुक्त संचालकों व जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित करने के बाद भी भुगतान नहीं हो पाया। अब 2023-24 की असफल भुगतान की छात्रवृत्ति राशि फिर से 26 मार्च को विद्यार्थियों के संशोधित बैंक खातों में ट्रांसफर की जाएगी। बैंक खाते त्रुटिपूर्ण होने से बार-बार ट्रांजेक्शन फेल हो गए। अब सभी विद्यार्थियों के खाते अपडेट किए जाएंगे। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) के संचालक केके द्विवेदी के संभागीय संयुक्त संचालकों व जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित करने के बाद भी भुगतान नहीं हो पाया। सरकारी स्कूलों का नवीन सत्र एक अप्रैल से शुरू हो रहा है। वर्तमान सत्र बीतने में सिर्फ आठ दिन का समय शेष है। ऐसे में अब तक प्रदेश के 3.43 लाख विद्यार्थियों को सत्र 2023-24 की छात्रवृत्ति नहीं मिली है।

दोपहर मेट्रो

प्रवाह

रविवारीय

04 भोपाल, रविवार, 24 मार्च 2024 epaper.dopaharmetro.com

ओरछा में होली पर गर्भगृह से बाहर आते हैं राजा राम

देशभर की सांस्कृतिक विविधता के रंग होली के संग

उज्जैन में होता है प्रदेश का पहला होलिका दहन

भारत में होली का त्योहार हर सूबे में ही मनाया जाता है लेकिन हर जगह इसमें कुछ अलग परंपरा भी जुडी हैं। यूं तो होली को रंगों का त्योहार कहा जाता है और लोग रंग तथा गुलाल के साथ होली का त्यौहार मनाते हैं. कई जगहों पर रंगों की बजाय लोग फूलों से होली खेलते हैं, हालांकि कूछ देशों में टमाटर से होली खेलने की भी परंपरा है। भारत में कहीं-कहीं लठ मार होली की भी प्रधानता है। मप्र के इंदौर में होली की गैर की अलग ही पहचान देशभर में हैं तो ओरछा व उज्जैन में परंपरा के साथ आध्यात्म भी जुडा है।

जैसे-जैसे रंगों का त्योहार नजदीक आता है, मध्यप्रदेश अपनी विविध होली समारोहों के माध्यम से समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक कला और आध्यात्मिक महत्व को प्रदर्शित करने के लिए तैयार हो जाता है। आसमान को सतरंगी कर देने वाली इंदौर की गेर हो या फिर जनजातीय क्षेत्र का लोक पर्व भगोरिया, प्रदेश का हर क्षेत्र रंगों के पर्व होली को अपनी सांस्कृतिक विविधता के साथ उत्साह और उल्लास के साथ मनाता है। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड राज्य के पारंपरिक और सांस्कृतिक मूल्यों को प्रोत्साहित करता है और देशभर के पर्यटकों को प्रदेश के उल्लासभरे उत्सव में शामिल होने का न्योता दे रहा है। 29 मार्च को होली खेलने के लिए राजा राम गर्भगृह से बाहर निकलकर मंदिर के चौक में विराजेंगे। सुबह 5 बजे मंगला आरती होती है, जो साल में सिर्फ दो मौकों पर होती है। होली के अलावा रामनवमी पर मंगला आरती होती है। यहां परिसर में बुंदेलखंड की फाग टोलियां फाग गाती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से दूर-दूर से भजन और भाग मंडलियां यहां आती हैं। भगवान श्री रामराजा सरकार की होली देखने और महोत्सव में शामिल होने यहां दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं। मप्र के प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति एवं प्रबंध संचालक एमपी टूरिज्म बोर्ड शिवशेखर शुक्ला का कहना है कि %मध्यप्रदेश सांस्कृतिक विविधता और आध्यात्मिक विरासत का एक प्रतीक है, जो उत्साह और उल्लास से सराबोर होली समारोहों में भाग लेने के लिए आमंत्रित करता है'।

दरअसल, होली के दौरान मध्य प्रदेश एक आकर्षक गंतव्य बन जाता है। यहां की जनजातीय बहुल क्षेत्रों में मनाये जाने वाला भगोरिया पर्व भावनाओं, संस्कृति, और परंपराओं को मजबूत करने का एक माध्यम है। उज्जैन के महाकाल लोक में, भगवान शिव के निवास की दिव्य आभा के बीच उत्सव का आनंद लेने के लिए देश भर से भक्त इकट्ठा होते हैं, जहां एमपी का पहला होलिका दहन होता है। आकर्षण को बढ़ाते हुए, नर्मदापुरम जिले के सेठानी घाट पर एक भव्य महाआरती होती है, जहाँ नर्मदा नदी का पवित्र जल बहता है, जो रंगीन उत्सवों को एक आध्यात्मिक माहौल प्रदान करता है। इस बीच, छिंदवाड़ा में, मेघनाद मेले में विभिन्न महाराष्ट्रीयन समुदाय भगवान महादेव को रंग लगाने के लिए एक साथ आते हैं, जो एकता और सद्भाव का प्रतीक है। इंदौर गेर हर साल रंग पंचमी पर राजवाड़ा पैलेस में लाखों आगंतुकों का स्वागत करता है, जहां विशाल तोपों से पानी और रंगों से आसमान सतरंगी होता है और सड़कें खुशी और रंगों से सराबोर हो जाती हैं। बुन्देलखण्ड क्षेत्र में भी होली का उत्साह चरम पर होता है, विशेष रूप से ओरछा के राम राजा दरबार में, जहाँ यह त्योहार उल्लास, उमंग और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है।

राजस्थान : विभीषण का मंदिर, हिरण्यकश्यप का दहन

हिन्दू धर्म में होली के त्योहार पर कई तरह परंपराएं निभाई जाती हैं जिसमें राजस्थान के कोटा के पास कैथून में होली पर एक अनोखी परंपरा है' जहां होलिका की जगह प्रह्लाद के पिता हिरण्यकश्यप के पुतले का दहन किया जाता है' इस स्थान पर लोग धुलेंडी के दिन दोपहर तक होली का जश्न मनाते हैं। यहां की ये परंपरा कई वर्षों से चली आ रही है। मौजूदा समय कई परंपराएं लुप्त होती जा रही है और समय के साथ कई परंपराओं में बदलाव भी होता जा रहा है, लेकिन कुछ ऐसी परंपराएं भी हैं जो सदियों से चली आ रही है, जिनका लोग आज भी पालन करते हैं और पूरे विधान से परंपराएं निभाते हैं। कोटा के पास कैथून कस्बे में देश का इकलौता विभीषण मंदिर है और इस मंदिर में विभीषण की पूजा की जाती है, लेकिन यहां की सबसे अनूठी परंपरा है, होलिका दहन वाले दिन होलिका की जगह हिरण्यकश्यप के पुतले का दहन। यहां पर लोग धुलेंडी के दिन दोपहर तक होली मनाते हैं और इसके बाद नहा-धोकर शोभायात्रा निकाली जाती है. इसमें चारभुजा मंदिर, जागों, सुनारों और तेलियों के मंदिर से विमान शामिल होते हैं।

बिहार में रंग-गुलाल नहीं, होलिका की राख से होली

बिहार में रंग, गुलाल और फूलों के बजाय काफी खास तरीके से होली खेली जाती है। प्राचीन काल से ही होली खेलने की यह परंपरा चली आ रही है और आज भी बिहार के ग्रामीण इलाकों में इस परंपरा का निर्वहन किया जाता है। आज भी लोग इसी तरीके से होली की शुरूआत करते हैं। दरअसल, बिहार के कई इलाकों में होलिका की राख से होली खेली जाती है। बिहार में होली खेलने का यह एक अलग ही अंदाज है और यह काफी लंबे समय से चला रहा है। यहां के लोग होलिका की राख से होली खेलते हैं. ऐसा नहीं है कि यहां रंग और गुलाल नहीं लगाया जाता, परंतु होली खेलने की शुरुआत होलिका की राख से ही होती है, जिसे ग्रामीण भाषा में धुरखेल कहा जाता है।

'शब्द' के जरिये पारंपरिक भूमिका को निभाने की कोशिश

■ उमेश चतुर्वेदी

सोशल मीडिया और टेलीविजन के चौतरफा वर्चस्व के दौर में तरह-तरह की समाचार बुलेटिनें प्रसारित हो रही हैं। एक समय, आकाशवाणी से रोजाना दोपहर बाद पहले अंग्रेजी और फिर हिंदी में धीमी गति में समाचार प्रस्तुत किए जाते थे। उस बुलेटिन की शुरुआत छोटी जगहों पर सुविधाहीन माहौल में प्रकाशित होने वाले अखबारों को ध्यान में रख कर की गई थी। 22 सितंबर, 1969 से प्रसारित होते इस बुलेटिन को सुनकर छोटे अखबारों के पत्रकार विशेष समाचारों को नोट करते थे और उसके आधार पर समाचार बनाकर अपने अखबारों में छापते थे। धीमी गति की बुलेटिन की याद की वजह यह है कि आकाशवाणी की नियंत्रक संस्था प्रसार भारती ने बीते 13 मार्च को एक अनूठे प्लेटफॉर्म की शुरुआत की है। %शब्द% नामक इस प्लेटफॉर्म पर टेक्स्ट, ऑडियो और वीडियो फॉर्मेट में समाचार होंगे। इसके साथ ही समाचारीय महत्व वाले फोटोग्राफ भी उपलब्ध होंगे। एक तरह से यह मंच अखबारों, रेडियो चैनलों और टीवी चैनलों के लिए बिना किसी फीस के समाचार मुहैया कराने का मंच है। शब्द के जरिये एक तरह से प्रसार भारती अपनी उसी पारंपरिक भूमिका को संचार क्रांति और टेक्नोलॉजी के विस्तार के दौर में निभाने की कोशिश कर रहा है, जिसकी शुरुआत धीमी गति के समाचारों के प्रसारण के साथ हुई थी। प्रसार भारती के सीईओ गौरव द्विवेदी का कहना है कि शब्द का मकसद समाचार संस्थानों को सटीक और सही समाचार उपलब्ध कराना है।

प्रसार भारती के शब्द मंच को एक तरह से समाचार एजेंसी भी कह सकते हैं। बस अंतर यह है कि समाचार एजेंसियां फीस के बदले अपने समाचारों और फीचर को ग्राहकों को उपलब्ध कराती हैं, जबकि प्रसार भारती का यह मंच बिल्कुल निःशुल्क है। हालांकि अभी यह अंग्रेजी और हिंदी में ही शुरू हुआ है, लेकिन इसे धीरे-धीरे प्रमुख भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराया जाएगा। इस अनूठे मंच की शुरुआत करते हुए सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि प्रसार भारती की शब्द सेवा पचास श्रेणियों में समाचार कहानियां प्रदान करेगी। समाचार संगठनों को साफ और सटीक जानकारी दी जाएगी और उन्हें दूरदर्शन या आकाशवाणी का लोगो लगाने की जरूरत नहीं होगी। सोशल मीडिया और संचार क्रांति के दौर में आज ज्यादातर लोग पत्रकार जैसी भूमिकाएं निभा रहे हैं। लेकिन सोशल मीडिया या यूट्यूब जैसे मंचों पर उपलब्ध समाचार सेवाओं में खबरों की निष्पक्षता और सटीकता को लेकर निगरानी रखने वाली व्यवस्था खत्म हो गई है। इस वजह से कई बार झूठी या गलत सूचनाएं और समाचार प्रसारित-प्रकाशित होते रहे हैं। इसलिए अब सोशल मीडिया के मंचों को भी सरकारों से हिदायत दी जा रही है कि उनके मंचों के जरिये फेक न्यूज या गलत सूचनाएं प्रसारित न हों, इसके लिए चौकस निगरानी रखें।

ऐसा नहीं कि सोशल मीडिया मंचों या संचार क्रांति के नए माध्यमों में सिर्फ गड़बड़ी फैलाने वाले लोग ही हैं। अच्छे मानस वाले लोग भी हैं, मीडिया के छोटे स्टार्टअप भी हैं। संसाधनों की कमी के चलते वे अपने प्रकाशनों या चैनलों में विविधरंगी और ज्यादा समाचार या कार्यक्रम नहीं पेश कर पाते। उनके लिए प्रसार भारती का शब्द मंच बेहद सहयोगी होगा। इससे खासकर उन छोटे समाचार संस्थानों को सहूलियत होगी, जिनके पास न तो बड़ा नेटवर्क है और न ही समाचार इकट्ठा करने के लिए पर्याप्त संसाधन। प्रसार भारती के पास देश भर में बारह सौ से ज्यादा संवाददाताओं का नेटवर्क है, जिसमें दूरदर्शन और आकाशवाणी-दोनों के संवाददाता शामिल हैं। इतनी बड़ी संख्या में संवाददाताओं का नेटवर्क शायद ही किसी और मीडिया संस्थान के पास होगा। फिर इनकी कवरेज हिंदी और अंग्रेजी के साथ कई क्षेत्रीय भाषाओं में होती है। प्रसार भारती के पास ऑडियो, वीडियो, टेक्स्ट और फोटो रूप में सामग्री की भरमार है। अगर इनका ठीक से इस्तेमाल हुआ, तो निश्चित तौर पर इस नेटवर्क की कवरेज को मात दे पाना संभव नहीं होगा।प्रसार भारती पर प्रसारित होने वाले समाचारों के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश हैं। जब तक तथ्य जांच न लिए जाएं, तब तक समाचार का प्रसारण न हो। यही वजह है कि शब्द पर उपलब्ध सामग्री साफ और फेक न्यूज की गड़बड़ियों दूर होगी। शब्द पर भी यह परंपरा बनी रहेगी और यही इसकी ताकत होगी, जिसका फायदा साधनहीन समाचार संस्थान सहज ही उठा सकते हैं।

साभार -लेखक प्रसार भारती के कंसल्टेंट हैं, यह उनके अपने विचार हैं।

फागुन में ऐसा क्या, जो सारी ऋतुओं से अलग है..

फाल्गुन का महीना हिन्दू पंचांग का अंतिम महीना होता है इस महीने की पूर्णिमा को फाल्गुनी नक्षत्र होने के कारण इस महीने का नाम फाल्गुन है। इस महीने को आनंद और उल्लास का महीना भी कहा जाता है। इस महीने से धीरे धीरे गरमी की शुरुआत होती जाती है और सर्दी को अलविदा कहना का वक्त आ जाता है। फागुन माह के आने से प्रकृति में चारों तरफ़ हरियाली ही हरियाली होती है। खेतों में पीली सरसो लहलहाजी दिखती है। दरअसल फाल्गुन को ऊर्जा और यौवन का महीना माना जाता है। इस महीने में वातावरण खुशनुमा हो जाता है और हर जगह नई उमंग नजर आती हैं। वैसे तो फाल्गुन महीना और बसंत का मौसम जब साथ होते हैं तो धरती की तुलना सजी-धजी दुल्हन से की जाती है। काफी मीलों तक फैले हुये सरसों के खेतों को देखकर ऐसा लगता है की मानो धरती ने पीली चुनरी ओढ़ रखी हो । इस समय हमे प्र्कृति की विविध छटाएँ देखने को मिलती हैं। हर ओर नवजीवन का नया संचार नजर आता है।

फाल्गुन महीने का धार्मिक महत्व

धार्मिक दृष्टिकोण से भी फाल्गुन का महीना बहुत ही शुभ माना जाता है। फाल्गुन शिव, कृष्ण और चंद्र देव की पूजा-उपासना का महीना होता है। इस महीने होली, महाशिवरात्रि आदि प्रमुख व्रत-त्योहार भी मनाए जाते हैं। खासतौर पर मथुरा-वृंदावन में तो पूरे फाल्गुन महीने में होली का अलग ही उत्सव देखने को मिलता है। वहीं धार्मिक शास्त्रों में फाल्गुन महीने को लेकर कुछ नियम बताए गए हैं, जिनका जरूर पालन करना चाहिए।

यह हैं वे नियम...

- इस महीने में शीतल या सामान्य जल से स्नान करें।
- फाल्गुन माह में अनाज की बजाय फलाहार ज्यादा करना चाहिए।
- इस महीने में कम अनाज का सेवन करना चाहिए।
- इस माह में भगवान शिव और भगवान श्री कृष्ण की नियमित उपासना करें।
- साथ ही पूजा में फूलों का अधिक से अधिक प्रयोग करें।

प्रसिद्ध मंदिरों की होली मशहूर

फाग आमंत्रण उत्सव- नंदगांव ,लड्डू होली व होली की द्वितीय चौपाई- बरसाना ,लट्ठ मार होली- नंदगांव ,फूलों की होली- श्रीकृष्ण जन्मस्थान ,अबीर-गुलाल/रंग होली- मथुरा ,श्रीद्वारिकाधीश मंदिर में टेसू फूल / अबीर गुलाल होली ,हुरंगा- नंदगांव।

राधाकृष्ण के अलौकिक प्रेम की झलक आज भी ब्रज की होली में मिलती है। इसे बरसाना और नंदगांव के हुरियारे और हुरियारिनों के बीच के संवादों में साफ देखा जा सकता है। बरसाना की हुरियारिनें राधा और उनकी सखियों का प्रतिनिधित्व करती हैं, तो नंदगांव के हुरियारे कृष्ण और उनके सखा का।

मतदान केंद्र पर मिलेगी सुविधा सारी, वोट डालने की कर लें तैयारी

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने जारी की पेनड्राईव

चुनाव का पर्व और देश के गर्व में अपनी भागीदारी के लिये हो जाईए तैयार...

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

आप कर लीजिये वोट देने की तैयारी, अब तो मतदान केंद्र पर मिलेगी सुविधा सारी। मतदाताओं की सुविधा के लिये निर्वाचन आयोग द्वारा मतदान केंद्र पर वालेंटियर, वेटिंग हॉल, छाया, मेडिकल किट, पीने का पानी, वॉशरूम, ब्रेललिपि में जानकारी, व्हीलचेयर और रैम्प की सुविधा की गई है, ये बात मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने स्वीप आईकॉन सारिका घारू द्वारा तैयार वीडियो गीतों की पेनड्राईव-चुनाव का पर्व, देश का गर्व को जारी करते हुये कही।

सारिका घारू ने बताया कि अनुपम राजन एवं जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत नवमतदाताओं एवं युवाओं की बड़ी संख्या को देखते हुए उनके लिये विशेष कार्यक्रम किये जा रहे हैं। रोचक एवं लोकप्रिय गतिविधियों के माध्यम से इसके साथ ही बुजुर्ग व दिव्यांग मतदाताओं और गर्भवती महिलाओं को दी जा रही प्राथमिकता की जानकारी दी जा रही है।

कृषि उपज मंडी इटारसी में 25 से 30 मार्च तक नीलामी कार्य बंद रहेगा

नर्मदापुरम। सचिव कृषि उपज मंडीसमिति इटारसी जिला नर्मदापुरम ने बताया है कि आगामी 25 से 30 मार्च तक कृषि उपज मंडी समिति इटारसी में नीलामी कार्य बंद रहेगा। होली का त?यौहार होने के कारण हम्माल अपने-अपने गांव जा रहे हैं। इस कारण से 25 से 30 मार्च तक नीलामी कार्य बंद रखा गया है। किसान भाईयो से कहा गया है कि वे अपनी कृषि उपज विक्रय के लिए लेकर इस अवधि में न आए।

जिले में नरवाई में आग लगाने पर धारा 144 के तहत प्रतिबंध

रायसेन, दोपहर मेट्रो

जिले में जनसामान्य के हित, सार्वजनिक सम्पत्ति, पर्यावरण एवं लोक व्यवस्था को बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ने सम्पूर्ण जिले की भौगोलिक सीमा में खेत में खड़े धान, सोयाबीन के डंठलों (नरवाई) में आग लगाने पर तत्काल प्रभाव से दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत प्रतिबंध लगाया गया है। यह प्रतिबंध आगामी दो माह तक जिले की सम्पूर्ण राजस्व सीमा में प्रभावशील रहेगा। इस आदेश का उल्लंघन भादवि की धारा 188 के अंतर्गत दण्डनीय होगा।

उल्लेखनीय है कि जिले की राजस्व सीमा में धान, सोयाबीन की फसल की कटाई के पश्चात अगली फसल के लिए खेत तैयार करने के लिए बहुसंख्यक किसानों द्वारा अपनी सुविधा के लिए खेत में आग लगाकर धान, सोयाबीन के डंठलों को नष्ट कर खेत साफ किया जाता है। आग लगाने से हानिकारक गैसों का उत्सर्जन होता है, जिससे पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इसे नरवाई में आग लगाने की प्रथा के नाम से भी जाना जाता है। नरवाई में आग लगाना खेती के लिए नुकसानदायक होने के साथ ही पर्यावरण की दृष्टि से भी हानिकारक है। इसके कारण विगत वर्षों में गंभीर अग्नि दुर्घटनाएं घटित हुई हैं तथा व्यापक सम्पत्ति की हानि हुई है।

मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह के फैसले का हुआ स्वागत

मप्र की सभी सहकारी समितियां सूचना के अधिकार अधिनियम के अधीन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सहकारी समितियां में हो रहे घोटालों पर नकेल कसने के लिए मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयोग द्वारा एक ऐतिहासिक आदेश में प्रदेश में अनाज का उपार्जन और राशन दुकानों का संचालन करने वाली सभी सहकारी समितियां को तत्काल प्रभाव से आरटीआई अधिनियम के अधीन लाया गया है। वही इसी आदेश मे राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने राशन की दुकानों पर कार्य करने वाले सेल्समैन के वेतन संबंधी गड़बड़ी उजागर होने पर प्रदेश के सभी सेल्समैन की वेतन संबंधी जानकारी जिले के पोर्टल पर स्वतः प्रदर्शित करने के निर्देश भी जारी किए हैं। सहकारी समितियां पर जारी इस अहम आदेश में सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने कहा कि खाद्यान्न उपार्जन एवं पीडीएस का संचालन करने वाली सहकारी समितियों के सूचना का अधिकार अधिनियम के अधीन आने से प्रदेश में खाद्यान्न उपार्जन एवं पीडीएस के संचालन में भ्रष्टाचार निरोधी, पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित होने के साथ इस व्यवस्था के लिए जिम्मेदार सरकारी अधिकारियों की जनता के प्रति जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी। किसानों के द्वारा अक्सर खाद्यान्न उपार्जन और खाद, बीज की व्यवस्था में अनियमितताओं की शिकायत की जाती है पर सहकारी समितियां की व्यवस्था पारदर्शी नहीं होने की वजह से किसानों की समस्याओं का निराकरण नहीं हो पाता है। सहकारी समितियां में अक्सर भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की ख़बरें भी आती है। सिंह ने कहा कि अब ऋक्षढ्ढ में इन सरकारी समितियां का कच्चा चिट्ठा अब जनता के सामने होगा।

किसानों और RTI एक्टिविस्ट ने फ़ैसले का स्वागत किया..

रीवा के RTI एक्टिविस्ट शिवानंद द्विवेदी जिनकी अपील पर यह कार्रवाई हुई है ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि राहुल सिंह ने सहकारी समितियां को आरटीआई के दायरे में लाकर प्रदेश के किसानों और आम नागरिकों और सामान्य तौर पर समितियों के हितग्राहियों के साथ बहुत बड़ा न्याय किया है। अब तक सहकारी समितियां किसानों को उनके केसीसी कर्ज ब्याज अनुदान उपार्जन राशन एवं अन्य खाद बीज आदि की जानकारी उपलब्ध

नहीं कराती थी और स्वयं आरटीआई कानून के दायरे के बाहर होना बताया करती थी। फैसले को दूरगामी परिणाम वाला बताते हुए द्विवेदी ने कहा कि इस आदेश से न केवल मध्य प्रदेश में बल्कि पूरे भारतवर्ष में सहकारी समितियां को आरटीआई के दायरे में लाने में काफी हद तक मदद मिलेगी। अब इसी आदेश के आधार पर देश के अन्य राज्यों में भी सहकारी समितियां को आरटीआई के दायरे में लाने के आदेश दिए जा सकते हैं। भारतीय किसान संघ प्रांत प्रचारक प्रमुख मध्यभारत राहुल धूत ने कहा कि बहुत ही अच्छा निर्णय है. सहकारी समितियां की व्यवस्था पारदर्शी होना बहुत जरूरी है। इससे सहकारी समितियां की मनमानियां पर रोक लगेगी। समिति की कार्यप्रणाली में कसावट आएगी जिससे किसानो का भला होगा।

सूचना का अधिकार कानून क्या कहता है

सहकारी समिति, पब्लिक अथॉरिटी आरटीआई अधिनियम के अधीन किसी भी संस्था को लाने के लिए यह जरूरी है कि कानूनी रूप से वह संस्था की भूमिका पब्लिक अथॉरिटी के रूप में स्थापित हो। या फिर किसी कानून या नियम के तहत अगर शासन उस संस्था से जानकारी प्राप्त कर सकता है तो वो भी जानकारी RTI के अधीन होगी। संस्था को पब्लिक अथॉरिटी तभी कहा जा सकता है जब कोई संस्था शासन के नियंत्रण में हो या फिर शासन द्वारा अत्यंत रूप से वित्त पोषित हो। मध्य प्रदेश राज्य के नियम में पर्याप्त रूप से वित्तपोषित को परिभाषित करते हुए कहा गया है कि अगर किसी संस्था में शासन का रू. 50000 का न्यूनतम परोक्ष या अपरोक्ष रूप से निवेश हो तो वो संस्था लोक प्राधिकारी होगी।

आयोग के समक्ष दर्ज हुई थी कई शिकायतें..

दरसल आयोग के समक्ष कई शिकायतें दर्ज हुई थी जिसमें पीडीएस दुकानों पर काम करने वाले सेल्समैन ने अपने स्वयं के वेतन की जानकारी RTI में मांगी थी वही एक और शिकायत में आरटीआई आवेदक ने कहा कि राशन की दुकान एवं अनाज उपार्जन करने वाली सहकारी समितियां अक्सर आरटीआई में जानकारी नहीं देते हैं यह कहते हुए हैं कि आरटीआई अधिनियम उन पर लागू नहीं होता है। सन 2005 जब से RTI एक्ट लागू हुआ है तब से सहकारी समितियां प्रदेश में सुप्रीम कोर्ट के थलापलम जजमेंट का हवाला देते हुए अपने आप को आरटीआई अधिनियम से बाहर बताते हुए जानकारी देने से मना कर देती हैं।

समितियां शासन से पर्याप्त रूप वित्त पोषित...

सूचना आयोग ने खाद्यान्न उपार्जन को लेकर की गई जांच में यह भी उजागर हुआ कि सभी सहकारी संस्थाओं को अनाज उपार्जन पर कमीशन के तौर पर राशि शासन से प्राप्त होती है शासन की अंश पूंजी के अलावा सहकारी समितियां को प्रत्येक राशन की दुकान में सेल्समैन की सैलरी के लिए संचालन के लिए सभी सेल्समैन की सैलरी के लिए रू. 6000 खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा दिया जाता है और यह सभी राशि कुल मिलाकर लाखों में होती है ऐसी स्थिति में ये सभी सहकारी समितियां प्रयाप्त रूप से वित्त पोषित होने की ?50000 की सीमा को पार करती है। सिंह ने कहा कि शासन द्वारा वित्तपोषित होने से इन सभी सहकारी संस्थाओं की भूमिका लोक प्राधिकारी के रूप में स्थापित होती है। मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने औरंगाबाद हाई कोर्ट के एक फैसले को आधार बनाते हुए सभी सहकारी समितियां को आरटीआई के अधीन बताया है। सिंह ने कहा कि औरंगाबाद हाईकोर्ट ने RTI में सभी कोऑपरेटिव सोसाइटी की जानकारी को देने के लिए रजिस्टार कोऑपरेटिव सोसाइटी को जवाबदेह माना है।

सहकारी समितियों की जानकारी के लिए आरटीआई आवेदन कहां प्रस्तुत करें...

सूचना आयुक्त राहुल सिंह नें सभी जिले में पदस्थ उपायुक्त सहकारिता को सरकारी समितियां की जानकारी देने के लिए लोक सूचना अधिकारी नियुक्त किया है साथी सिंह ने संयुक्त आयुक्त सहकारिता को प्रथम अपीलीय अधिकारी बनाया है। सिंह ने प्रमुख सचिव, मध्य प्रदेश शासन सहकारिता विभाग भोपाल को आदेशित किया कि खाद्यान्न उपार्जन एवं पीडीएस के संचालन में शामिल सहकारी समितियों को तत्काल प्रभाव से सूचना का अधिकार अधिनियम के अधीन लाते हुये समितियों से संबंधित आरटीआई आवेदनों में वांछित जानकारी को प्रत्येक जिले में उपलब्ध कराने के लिये जिले में पदस्थ विभाग के उपायुक्त, सहकारिता को लोक सूचना अधिकारी एवं प्रथम अपीलीय अधिकारी के रूप में संयुक्त आयुक्त, सहकारिता की जवाबदेही आयोग के आदेश प्राप्ति के एक माह के भीतर सुनिश्चित करें। सिंह ने कहा कि RTI एक्ट के तहत जानकारी प्राप्त ना होने पर प्रथम अपीलीय अधिकारी संयुक्त आयुक्त, सहकारिता के समक्ष प्रथम अपील दायर की जाएगी।

आयोग की जांच में सहकारी समितियां की भूमिका लोक प्राधिकारी के रूप स्थापित हुई

समितियों पर सरकार का नियंत्रण है.सहकारी समितियां की भूमिका की जानकारी के लिए सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 के तहत जांच शुरू की। उस जाँच में आयोग के पास वह तमाम शासन के द्वारा द्वारा जारी दिशा निर्देश की दस्तावेज मिले जिससे यह स्थापित होता है की सहकारी खाद्यान्न उपार्जन करने वाली सहकारी समितियां पूरी तरह से शासन की नियंत्रण में कार्रवाई करती हैं। यहा तक के इन सहकारी समितियां में मिलने वाले वेतन भक्तों के निर्धारण की कार्रवाई भी शासन के स्तर पर होती है वहीं खाद्यान्न उपार्जन की पूरी प्रक्रिया शासन की नियंत्रण और दिशा निर्देश पर ही होती है। सिंह ने यह भी कहा कि सहकारिता विभाग के पास सहकारिता अधिनियम के तहत किसी भी सहकारी संस्था से कोई भी दस्तावेज प्राप्त करने के पर्याप्त अधिकार है। इसीलिए सहकारिता विभाग के अधिकारी अपनी जवाबदेही से इंकार नहीं कर सकते हैं कि दस्तावेज उन्हें उपलब्ध नहीं कराई जा रहे हैं।

पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों का एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

लोकसभा निर्वाचन 2024 को दृष्टिगत रखते हुए नर्मदापुरम पुलिस द्वारा पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन पुलिस कंट्रोल रूम सभागार में किया गया जिसमें, जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी, थाना प्रभारी, थानों के उप निरीक्षकगण एवं जिला पुलिस कार्यालय एवं पुलिस लाइन का स्टाफ सम्मिलित हुआ।

कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर उप पुलिस अधीक्षक यातायात संतोष मिश्रा ने चुनाव पूर्व, चुनाव के दौरान एवं चुनाव के बाद की जाने वाली कार्यवाहियों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को जिला सुरक्षा एवं डिप्लायमेन्ट प्लान, चुनाव आयोग के निर्देश, वेब पोर्टल, अनुविभाग एवं थाना स्तर पर होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम, केंद्रीय सुरक्षा बलों से समन्वय, प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, माईनर एक्ट एवं चुनाव संबंधी कानूनी प्रावधान से अवगत कराया गया तथा विभिन्न स्तर पर चेक लिस्ट, की जाने वाली कार्यवाही एवं चुनाव के दौरान ÷क्या करें व क्या न करें÷ की जानकारी भी दी गई।

उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस बल को अपनी जिम्मेदारियों, कानूनी प्रावधानों से अवगत कराना था साथ ही व्यावसायिक दक्षता बढ़ाकर मास्टर ट्रेनर के रूप में तैयार करना था ताकि प्रशिक्षित अधिकारीगण अनुविभाग एवं थाना स्तर पर अन्य कर्मियों, CAPF, नगर सेना, कोटवार एवं विशेष पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षित कर सकें। कार्यक्रम में कुल 100 अधिकारी एवं कर्मचारियों सम्मिलित रहे। रक्षित निरीक्षक स्नेहा चंदेल एवं सूबेदार विनय अडलक का प्रशिक्षण के आयोजन में विशेष योगदान रहा।

युवाओं ने शहीद गैलरी पहुंचकर मनाया बलिदान दिवस, भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को किया नमन

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

नगर के गणमान्य नागरिक और युवाओ ने शिवराज पार्क में शहीद गैलरी पहुंच कर क्रांतिकारी भारत के वीर सपूत भगत सिंह,राजगुरु, सुखदेव को उनकी शहादत दिवस पर नमन कर फूल मला चढ़ाई। 93 वर्ष पहले अंग्रेजों की हुकूमत ने हमारे देश के क्रांतिकारी वीर योद्धा को फांसी पर चढ़ा दिया था हमारे वीर योद्धा आज ही के दिन खुशी-खुशी भारत देश के लिए अपने प्राण की आहुति देकर अमर हो गए थे आज उन्हीं की शहादत को भगत सिंह टीम के युवा साथी वरिष्ठ जन ने उन्हें याद करा उनकी वीर गाथाओं को बताते हुए कहा कि भारत के महान क्रांतिकारी दल हिंदुस्तान सोशियलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के सदस्य थे तीनो वीर। भगतसिंह ने लालाजी की मृत्यु का बदला, असेम्बली में बम फेंकना, क्रांतिकारी प्रवृत्ति को बढ़ावा देना, क्रांतिकारियों को प्रशिक्षित करना इत्यादि क्रांतिकारी कार्य किए थे।

वही सुखदेव और राजगुरु भी लालाजी की मृत्यु का प्रतिशोध लेने में सक्रीय रहे थे।भगतसिंह, सुखदेव और राजगुरु को ब्रिटिश शासन के खिलाफ़ साजिश रचने के केस में फांसी की सजा हुई। उन्हें लाहौर सैंट्रल जेल में फांसी की सजा दी

गई। फांसी के समय भगत सिंह और सुखदेव की उम्र केवल 24 वर्ष और राजगुरु की उम्र 23 वर्ष थी।उनको फांसी देने की तारीख 24 मार्च तै हुई थी लेकिन अंग्रेज शासन ने डर और कपट के कारण निश्चित समय से बारह घंटे पहले यानी 23 मार्च को शाम 7 बजे के करीब तीनों भारतीय वीरो को फांसी दे दी। अंग्रेजों को को डर था की यदि इन वीरों के मृतदेह भी लोगो के हाथ लग आयेंगी तो क्रांति भड़क जायेगी, इसलिए अंग्रेजो ने उनके मृतदेह को मिट्टी का तेल डाल कर जलाने लगे लेकिन जब लोगो को पता चला तो वे अंगेजो पर टूट पड़े और अंग्रेज अधिकारी शव को वहीं छोड़ कर भाग गए लोगों ने उन्हें इकठ्ठा कर उनका सम्मान पूर्वक अंतिम संस्कार किया। इस दौरान वीर सपूतों की अनेक वीरगाथाओं पर भी चर्चाएं हुई इस अवसर पर रघुवीर सिंह राजपूत, विजेंद्र यादव, कमलेश लोवंशी,अभी कुशवाहा, दीपक हिंदुस्तानी, अभी मिश्रा, तुषार लोवंशी, विनय लोवंशी,नरेंद्र रघुवंशी सहित सहित अन्यलोक उपस्थित थे। फांसी का फंदा भी फूलों से कम न था वो भी डूब सकते थे इश्क में किसी के पर वतन उनके लिए माशूक के प्यार से कम न था।

मेट्रो एंकर कॉलोनी के पीड़ित नागरिकों ने कलेक्टर से लगाई न्याय की गुहार

पीपल बाबा कॉलोनी में हो रही नाली निर्माण की कलेक्टर के पास शिकायत पहुंची

बगैर आदेश के गरीबों के आशियानों को नाली बनाने के नाम पर तोड़ा

पंचायत का सरपंच बना कार्य एजेंसी, नाली निर्माण चढ़ा भ्रष्टाचार की भेंट

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

दो पीपल बाबा कॉलोनी के नागरिकों ने 350 मीटर लंबी नाली निर्माण और निर्माण के नाम पर गरीब लोगों के तोड़े गए शौचालय के गढ्ढे, किचन सीडीयां सहित दीवार तोड़ने की शिकायत कलेक्टर से की ।

शुक्रवार को जिला कलेक्टर सुश्री सोनिया मीणा सिवनी मालवा के दौरे पर थी। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण मतदान केंद्रों का निरीक्षण सहित अनेक कार्यक्रम में भाग लिया। इसी अवसर पर दो पीपल बाबा कॉलोनी के पीड़ित नागरिको ने कलेक्टर से अपनी गुहार लगाई नागरिकों ने अपने शिकायती आवेदन के साथ एसडीएम और सीईओ जनपद को दिए गए आवेदन की प्रति भी संलग्न की इसी के साथ कलर फोटो के माध्यम से उन्होंने मौके की स्थिति समझाने का प्रयास किया । दो पीपल वाले बाबा कॉलोनी में निवास करने वाले अनिल सेन, विनोद खराटे, कमल कटारे शोभाराम धनगर, मनोज मांडवी, कमलेश साहू, सुनील मालवीय, सुमेर धनगाए, प्रकाश खराटे, परसराम बरखाने, रमेश पाटिल, मन्नूलाल उईके, पूनम लववंशी, रामभरो साहू, भूरा विश्वकर्मा, शुभम यादव, राकेश कटारे, विकास यादव सहित अनेक लोगों ने आरोप लगाया है कि सरपंच ने बिना वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति लिए अनेक मकान की दीवारें तोड़ दी, लैट्रिन के गड्ढे तुड़वा दिए, कहीं किचन तोड़ दिए यही नहीं कुछ मकान वैसे ही छोड़ दिए, कुछ निर्माण तोड़ दिये। शिकायत कर्ताओं ने कलेक्टर को बताया कि ग्राम पंचायत बराखड कलां के सरपंच द्वारा मनमानी करते हुए दो पीपल बाबा कालोनी बराखड़ खुर्द द्वारा निकासी नाली का निर्माण कराया जा रहा है, जिसमे अमानक रूप से कम से कम मटेरियल लगा कर नाली का निर्माण में भ्रष्टाचार हो रहा है एवं नाली निर्माण कार्य के दौरान लोगो के घर में बने शौचालय एवं किचन एवं मकान को क्षतिग्रस्त कर तोडा जा रहा है जो नियम विरुद्ध है जिसकी शिकायत हमारे द्वारा जनपद पंचायत सिवनी मालवा के कार्यपालन अधिकारी और अनुविभागीय अधिकारी सिवनी मालवा को दिनांक-22 फरवरी24 एवं 20 मार्च 2024 को की गई थी परन्तु किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नही गई।

शिक्षा विभाग: अजब और गजब का खेल

2 साल की प्रतिनियुक्ति पर आए शिक्षक, 5 साल से टोरी बगरोद में नियम विरुद्ध बने हैं प्राचार्य!

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शिक्षा विभाग में नियम की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। टोरी बागरोद हाई स्कूल में माध्यमिक शाला के शिक्षक को किस आधार पर प्राचार्य की कुर्सी की जिम्मेदारी दे रखी है। विकासखंड से लेकर जिले के अधिकारियों ने इस और ध्यान देना ही उचित नहीं समझा किसकी मिली भगत से यह सब संभव हो रहा है। 2019 में मंडला से आदिम जाति कल्याण विभाग से 2 साल की प्रति नियुक्ति पर इनको भेजा गया था उस अवधि को समाप्त हुए कई साल बीत चुके हैं।

अब यह हाई स्कूल के प्राचार्य के प्राचार्य के रूप में काम कर रहे हैं। जिसको लेकर एडवोकेट काशीराम रघुवंशी ने लोक शिक्षा संरचनालय में शिकायत की है वहां जांच के निर्देश दिए गए हैं। इसके बाद भी तत्कालीन अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया ना ही जांच कराई । इसकी जानकारी होने के बाद भी नीचे से लेकर ऊपर तक के अधिकारियों ने समय रहते ध्यान नहीं दिया नियम के हिसाब से माध्यमिक शाला के शिक्षक को हाई स्कूल का प्राचार्य नहीं बनाया सकता फिर भी इनको इस कुर्सी पर बैठा दिया गया है। एडवोकेट काशीराम रघुवंशी ने नियम विरुद्ध

हाई स्कूल के प्राचार्य बने बैठे राजू सिंह कुशवाहा की शिकायत लोक शिक्षा संरचनालय में करते हुए बताया कि 2019 में इनको 2 साल के लिए प्रतिनिधि पर माध्यमिक शाला के शिक्षक राजू सिंह कुशवाहा को आदिम जाति कल्याण विभाग से भेजा गया था पर 5 साल से है यहीं पर जमे हुए अभी हाई स्कूल के प्राचार्य बन गए हैं जो नियम के विरुद्ध है शिकायत के बाद जांच के लिए जिला शिक्षा अधिकारी को पत्र भी जारी किया गया है। माध्यमिक शाला के शिक्षक हिंदी से आते हैं फिर भी इनको नियम कायदे कानून को दरकिनार करते हुए हाई स्कूल के प्राचार्य की जिम्मेदारी दे रखी है। हाई स्कूल के प्राचार्य की जिम्मेदारी एक योग्य व्यक्ति को दी जाएगी तो स्कूल का विकास भी होगा यहां पढ़ने वाले छात्रों को भी इसका लाभ मिलेगा पर अभी ऐसे शिक्षक को जिम्मेदारी दे रखी है जो माध्यमिक शाला से आते हैं इनका किस आधार पर प्रमोशन करते हुए इनको इस कुर्जी पर बिठाया गया है। इस पूरे मामले की शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को गंभीरता से जांच करते हुए गलत तरीके से कुर्सी पर बैठने वालों शिक्षक पर कार्रवाई करनी चाहिए।

इनका कहना है

पूरे मामले की गंभीरता से जांच करके रिपोर्ट देने के निर्देश बी ई ओ को दिए हैं। किस आधार पर हाई स्कूल के प्राचार्य बने हैं उसकी भी जानकारी मांगी है।

***रामकुमार ठाकुर** प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी*

40 से अधिक स्थानों पर होगा आज होलिका दहन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शहर में आज विशेष मुहूर्त में 40 से अधिक स्थानों पर होलिका दहन किया जाएगा जिसमें 34 स्थान पर बड़ी होली जलाई जाएंगे मुख्य रूप से श्री मदन मोहन सरकार मंदिर ,पंचकुइयों पर तो बंदूक से होली जलाई जाती है यहीं से आग ले जाकर अन्य स्थानों पर होलिका दहन किया जाता है। बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में होलिका दहन का त्यौहार मनाया जाता है ।जिसको लेकर तैयारी दिनभर चलती रही । पुलिस प्रशासन के द्वारा भी सुरक्षा को लेकर विशेष इंतजाम करने की बात कहिए एसडीओपी उमेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि मुख्य होलिका दहन स्थलों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था रहेगी इसके अलावा लगातार पेट्रोलियम होती रहेगी हमारे द्वारा सभी इंतजाम किए गए हैं किसी भी तरह की परेशानी होलिका दहन में नहीं होने दी जाएगी।

वृद्धाश्रम में बुजुर्गों ने लिया मतदान करने का संकल्प

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

लोकसभा चुनाव 2024 अंतर्गत जिले में आयोजित स्वीप गतिविधि अंतर्गत आज विदिशा के श्री हरि वृद्धाश्रम में बुजुर्गों को मतदान का संकल्प दिलाया गया है। साथ ही बुजुर्ग मतदाताओं को मतदान के महत्वता से अवगत भी कराया गया। निर्वाचन आयोग द्वारा बुजुर्ग मतदाताओं की सुविधा हेतु किए गए प्रबंधों से अभिभूत होकर बुजुर्गों ने एक स्वर में कहा कि वह स्वयं तो मतदान करेंगे ही और अन्य मतदाताओं को भी मतदान करने के लिए अभिप्रेरित करेंगे। स्वीप गतिविधि के तहत सामाजिक न्या एवं दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग के उपसंचालक पंकज जैन ने पुराना जिला चिकित्सालय परिसर में संचालित हरि वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों को मतदान के महत्व के बारे में विस्तार से बताया और बुजुर्गों को मतदान हेतु मिलने वाली पोस्टल बैलेट सुविधा, सुगम वाहन सुविधा, वालंटियर सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताते हुए बुजुर्गों को निर्भीक और निष्पक्ष होकर देश के हित में शत प्रतिशत मतदान में भागीदारी करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर वृद्ध आश्रम के 50 से अधिक बुजुर्गों ने कहा कि वे देश के जिम्मेदार नागरिक हैं, लिहाजा वे स्वयं तो मतदान करेंगे ही साथ में आश्रम में सेवा करने हेतु आने वाली युवा पीढ़ी को भी मतदान हेतु बार-बार याद दिलाकर उन्हें मतदान हेतु प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर वृद्धाश्रम की अध्यक्ष श्रीमति इंदिरा शर्मा, संचालक वेद प्रकाश शर्मा ,सामाजिक सुरक्षा अधिकारी नेहा करकरे सहित विभागीय अमला मौजूद रहा।

एक ही सीरीज के नोटों को प्रिंट करके बाजार में चल रहा था

नकली नोट खपाते हुए आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शातिर दिमाग का उपयोग करके नकली नोटों को चलाने वाले को आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तारी कर लिया। पुलिस प्रशासन को बाजार में नकल नोट चलाने की जानकारी दी थी। इसके बाद एसडीओपी ने अपने मुखबिरों तथा पुलिस प्रशासन को को लगा दिया था शनिवार को सफलता भी मिल गई जिसका खुलासा प्रेस वार्ता के माध्यम से एसडीओपी उमेश कुमार त्रिपाठी ने करते हुए बताया कि शहर में नकली नोट चलाने की जानकारी हमें मिल रही थी जिसकी जांच के दौरान पुलिस ने नकली नोट बनाकर मार्केट में चलाने की जैसे ही सूचना मिली तो तत्काल थाना प्रभारी संदीप सिंह पंवार ने टीम को भेज कर जांच पड़ताल कराई तो आरोपी के पास से 95 नकली नोट प्राप्त हुए जो एक ही सीरियल के थे। नगर निरीक्षक संदीप कुमार पवार के नेतृत्व में उनि. राकेश रघुवंशी द्वारा मय फोर्स के मुखबिर से सूचना पर लटेरी नाके से एक व्यक्ति को शक के आधार पर पकड़ा, जिसके पास नकली नोट मिले, पुलिस की पूछताछ में पता चला कि उक्त व्यक्ति नकली नोटों को चलाने की फिराक मे घूम था। आरोपी भूरा उर्फ भूपेन्द्र सिंह धाकड़ पिता भीकम सिंह धाकड उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम मोहब्बतपुर थाना मुरवास का है। वहीं आरोपी से मिले सभी नकली नोट एक ही नंबर के थे जिन्हें देखकर पुलिस भी चौंक गई यह सभी नोट असली नोटों की तरह ही दिख रहे थे। आरोपी के पास से मिले सभी नकली नोटों की संख्या 95 बताई गई है आरोपी के द्वारा इन नकली नोटों को अपने घर पर ही प्रिंट करके बाजार में चलने का काम किया जा रहा था बैंकों में भी कई बार नकली नोट पकड़े गए थे ।

बाजार में चल रहा है नकली नोटों की खबर भी प्रमुखता से प्रकाशित की थी इसके बाद एसडीपी ने पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस कर्मियों को नजर रखने के निर्देश दिए थे अब जाकर पुलिस को नकली नोट चलाने वाल मिल पाया।पुलिस ने आरोपी भुरा उर्फ भूपेंद्र धाकड़ पर धारा 489क, 489ख, 489 ग का प्रकरण दर्ज करके गिरफ्तार किया है । आरोपी ने पूछताछ पर बताया कि नकली नोटों का यह कारोबार वह स्वयं के घर पर ही करता था। प्रिंटिंग मशीन के माध्यम से इन नकली नोटों की फोटो कॉपी निकलता था और मार्केट में सप्लाई करता था। जब पुलिस ने घर पर छापामार कार्रवाई की तो नकली नोट प्रिंटिंग करने की मशीन एवं अन्य सामग्री जप्त की है। जिसमें 112 सफेद पेज, जिनमें 28 पेजों पर दोनों तरफ 200 के नोट छपे हुए हैं, तथा 84 पेजों पर एक तरफ 200 के नोट छपे हैं, एवं 4 आधे कटे हुए पेज जिन पर एक तरफ 200 के नोट छपे है, प्रिन्ट मशीन की इंक की 6 बोतल एक कटर, एक कैंची, तीन स्कैल, एक स्टील की थाली आदि मौके पर ही जप्त किए हैं। कार्रवाई में नगर निरीक्षक संदीप कुमार पवार, उनि. राकेश रघुवंशी, प्रधान आरक्षक अमित मिश्रा, आरक्षक संतोष रघुवंशी, सुनील मल्होत्रा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

आरोपी घर में ही करता था नकली नोट प्रिंट

आरोपी भूरा उर्फ भूपेन्द्र सिह धाकड़ मुरवास थाने के गांव मोहब्बतपुर में अपने ही घर में नकली नोटों को प्रिंट करता था, और सिरोंज नगर सहित आसपास के गावों एवं अन्य जगहों पर सप्लाई करता था। जिसे पुलिस ने नकली नोट सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस के द्वारा जप्त की गई सामग्री में नकली नोटों को प्रिंट करने की मशीन, नोट छापने वाला कागज एवं कलर सहित अन्य तरह की सामग्री जप्त की है। यह सभी जप्त की गई सामग्री आरोपी के घर पर थी जिसके माध्यम से आरोपी नकली नोट बनाकर सप्लाई कर रहा था।

पुलिस पर उठ रहे सवाल, जिला बदर आरोपी घूम रहा था सिरोंज में खपा रहा था नकली नोट

जानकारी के अनुसार उक्त आरोपी पर विदिशा जिला कलेक्टर द्वारा जिला बदर की कार्रवाई की गई है। इसके बावजूद आरोपी सिरोंज सहित अंचलों में खुलेआम घूमकर नकली नोट खपा रहा था, जो पुलिस की कार्य प्रणाली पर सवालिया निशान खड़े कर रहा है। हालांकि पुलिस आरोपी को पड़कर नकली नोट का पर्दाफाश कर खूब वाहवाही लूटने का कार्य कर रही है, । उक्त आरोपी किसी और बड़े घटना को अंजाम देने की तैयारी कर रहा था। या फिर यह कितनी बड़ी चूक है जिसकी जांच होना चाहिए। क्योंकि उक्त भुरा उर्फ भूपेंद्र धाकड़ पर कई आपराधिक रिकाई दर्ज है। जिसके कारण उस पर दंडाधिकारी विदिशा ने 13 अक्टूबर 2023 को जिला बदर करते हुए उसे विदिशा राजगढ, सागर, भोपाल, गुना, रायसेन, अशोकनगर के सीमावर्ती जिलों से निष्काशित किया जाने का आदेश दिया था। जिसकी अवधी वर्तमान में प्रभावशील है। बावजूद इसके उपचारों की शहर में खुलेआम घूम रहा है और घर पर रहकर नकली नोटों का धंधा कर रहा था। जो पुलिस की बहुत बड़ी चूक है।

गांजे के साथ पूर्व जिला बदर आरोपी धराया, एनडीपीएस एक्ट के तहत की कार्रवाई

सिरोंज। लंबे समय से मुख्य बाजार में अवैध रूप से गांजे की सप्लाई करने वाले पर आखिरकार पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसके पास से 15000 की कीमत का गांजा भी बरामद किया लिया गया है। शुक्रवार की रात्रि में पुलिस ने इस कार्रवाई को अंजाम देते हुए इस का भी खुलासा शनिवार को प्रेस वार्ता के माध्यम से अनुविभागीय अधिकारी उमेश तिवारी बताया कि उक्त कार्रवाई को थाना प्रभारी संदीप कुमार पवार के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक मोहनलाल द्वारा मुखबिर की सूचना पर बन्ने मिंया उर्फ बन्ने टाईगर वार्ड नम्बर 6 कमल गिरान मस्जिद गली में रहने वाले को यहीं पर पुलिस ने सिर लगी टोपी से गंज बेचते हुए पड़ा है। पुलिस की तलाशी के दौरान बन्ने मिंया के सिर पर पहने रंगीन ऊनी टोपी में 21 पुडिया अखबारी कागज की रखी हुई थी जिसमें गांजा था। इसके अलावा घर पर दी दविश के दौरान पन्नी कि थैली में गांजा मिला है, दोनो को तौलने पर 0.056 ग्राम आया तथा पन्नी में रखे गांजे का बजन 1.200 किलो ग्राम आया। कुल मादक पदार्थ गांजा 1.256 कि.ग्रा. जिसकी कीमती करीबन 15000 रूपये है। आरोपी बन्ने मिया उर्फ बन्ने टाईगर पिता अब्दुल रहीम कूंजडा निवासी वार्ड नं. 06 कमल गिरान मस्जिद पर धारा 8/20 एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया है। लंबे समय से उक्त आरोपी के द्वारा अवैध रूप से नशे के कारोबार को अंजाम देने का कार्य किया जा रहा था।

मेट्रो एंकर | **स्थानीय प्रशासन को सुरक्षा एवं पेयजल को लेकर दिए आवश्यक निर्देश**

डाँग वाली महामाई के दरबार में चैत्र नवरात्रि पर आयोजित होने वाले मेले की व्यवस्थाओं का कलेक्टर - एसपी ने लिया जायजा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

चैत्र नवरात्रि में श्री महामाई मंदिर पर आयोजित होने वाले पंद्रह दिवसीय विद्या शतचंडी दुर्गा महायज्ञ एवं विशाल मेले के आयोजन की प्रशासनिक तैयारियों को लेकर कलेक्टर बुद्धेश बैध ने महामाई सेवा समिति सदस्यों एवं जिला व तहसील स्तर के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ व्यवस्था संबंधी बैठक ली। बैठक में न केवल उन्होंने स्थानीय प्रशासन द्वारा मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा की दृष्टि से की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया बल्कि पेयजल, बिजली सहित अन्य व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाने के लिए निर्देशित भी किया।शनिवार को जिला कलेक्टर श्री वैद्य पुलिस अधीक्षक दीपक शुक्ला के साथ सिरोंज के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल डाँग वाली महामाई मंदिर पर पहुँचे। यहाँ पहुँचकर सर्वप्रथम उन्होंने माँ महामाई की पूजा अर्चना आरती की। इसके उपरांत उन्होंने मन्दिर प्रांगण में 5 अप्रैल से प्रारम्भ होने वाले मेले की तैयारियों के संदर्भ में प्रशासन के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में एसडीएम हर्षल चौधरी ने प्रशासन की ओर से प्रतिवर्ष उपलब्ध कराई जाने वाली व्यस्थाओं ओर तैयारियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि समिति द्वारा मेला आयोजन में श्रद्धालुओं की सुविधाओं के संदर्भ में परंपरानुसार जो भी आवश्यक व्यवस्थाएं जुटाई जाती है वह सभी पूर्ण की जा रही है। बैठक में प्रतिदिन मेले में आने वाले एवं भंडारे हेतु पर्याप्त पेयजल, आकस्मिक चिकित्सा सुविधा शिविर सहित सुरक्षा हेतु पर्याप्त पुलिस बल, आसपास के क्षेत्रों से आने वाले श्रद्धालुओं के सुगमतापूर्वक आवागमन को लेकर भी दिशा निर्देशित किया गया। इस अवसर पर मंदिर के प्रधान पुजारी पंडित नलिनीकांत शर्मा ने मंदिर समिति की ओर से अधिकारियों का चुनरी ओढ़ाकर एवं महामाई मंदिर का चित्र भेंट कर सम्मान भी किया।

सभी विभाग जिम्मेदारी से करें अपने कर्तव्य का पालन

बैठक में कलेक्टर बुधेश कुमार वैद्य ने कहा कि महामाई मैया का यह मेला सनातन धर्म का विशाल आयोजन है जिसमें लाखों श्रद्धालु सहभागिता करते है यह एक सामूहिक जिम्मेदारी का आयोजन है और इसे सफल बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। महामाई मेले की तैयारियों में जुटे सभी प्रशासन के अधिकारी पूरी ईमानदारी से इस व्यवस्था का हिस्सा बनकर अपनी जबाबदारी को समझेंगे। तथा लाखों श्रद्धालुओं को दर्शन करवा मेले को आयोजन को सफल बनाएंगे। इस अवसर पर एसपी दीपक शुक्ला ने मेले में आवागमन को सुलभ बनाने व सुरक्षा के लिए स्थानीय पुलिस प्रशासन को निर्देशित करते हुए कहा कि मेले के सदस्यगण पुलिस बल के साथ एकबार संयुक्त प्रशिक्षण अवश्य कर ले जिससे सामूहिक सुरक्षा की दृष्टि से सभी तैयार रहे। बैठक का संचालन समिति के समिति के सचिव रमेश यादव एवं आभार संतोष चौरे ने व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत चौबे, एसडीओपी उमेश तिवारी,तहसीलदार संजय चौरसिया, मंदिर समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य सहित संबंधित विभागों के जिला एवं स्थानीय अधिकारी उपस्थित रहे।

महामाई मैया की कृपा बरसती रहे

बैठक में आशीर्वचन देते हुए महामाई मंदिर के प्रधान पुजारी पंडित नलिनीकांत शर्मा ने कहा कि जन जन की आराध्य देवी माँ महामाई हमारे क्षेत्र की आराध्या देवी है। पिछले अनेक वर्षों से हम सब धूमधाम के साथ मैया का आयोजन मानते चले आ रहें है। इसमे शासन प्रशासन का सहयोग समिति को सदैव मिलता रहा है। हम सब मिलकर धूमधाम के साथ इस आयोजन को सफल करेंगे। सभी भक्तों पर मैया की कृपा बनी रहे। उक्त मेला तीर्थ स्थान एवं मेला प्राधिकरण में भी पंजीबद्ध है। लाखों श्रद्धालुओं की सहभागिता होने के कारण यह उत्सव सानंद संपन्न हो यह समाजसेवियों, आयोजन समिति के सदस्यों का उत्तरदायित्व है तथा सुगमतापूर्वक आवागमन हेतु यातायात व्यवस्था भी ठीक हो।

भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ी ने चीनी ताइपे के खिलाड़ी को हराया

स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट श्रीकांत पहली बार सेमीफाइनल में

बासेल, स्विटजरलैंड, एजेंसी

भारतीय शटलर किदांबी श्रीकांत ने स्विस ओपन सुपर-300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। उन्होंने क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे के चिया हाओ ली को 35 मिनट तक चले मुकाबले में 21-10, 21-14 से शिकस्त दी। श्रीकांत ने आखिरी बार नवंबर 2022 में हायलो ओपन में सेमीफाइनल खेला था। श्रीकांत के सामने अब विश्व रैंकिंग में 22वें नंबर के खिलाड़ी चीनी ताइपे के लिन चुन यी की चुनौती होगी। किरेन जार्ज को क्वार्टरफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। डेनमार्क के रासमस गेम्के ने जार्ज को 21-23, 21-17, 21-15 से हराया। वहीं, अन्य भारतीय शटलर प्रियांशु राजावत को भी क्वार्टरफाइनल में ताइवान के चाउ टीएन चेन के खिलाफ 15-21, 19-21 से हार का झेलनी पड़ी। महिला युगल में, त्रिषा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी को क्वार्टरफाइनल में ऑस्ट्रेलिया की सेत्याना मापसा और एंजेला यू के खिलाफ 14-21, 15-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

मियामी ओपन टेनिस: सबालेंका जीत के बाद हुई भावुक

मियामी. दो बार की ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन आर्यना सबालेंका के लिए पिछला सप्ताह काफी मुश्किल रहा क्योंकि उनके प्रेमी और पूर्व आइस हॉकी खिलाड़ी कोल्तसोव ने संदिग्ध परिस्थितियों में आत्महत्या कर ली थी। सबालेंका ने कहा था कि इस घटना से वह सदमें में हैं, लेकिन फिर भी उन्होंने यहां खेले जा रहे मियामी ओपन में उतरने का फैसला किया। दूसरी वरीय सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन किया और महिला एकल का पहला मैच जीता। मैच जीतने के बाद वह खुद पर काबू नहीं रख सकीं और भावुक हो गई।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

आईपीएल मैच में दिखे शाहरुख और प्रीति

फैंस को आई 'वीर-जारा' की याद, बोले- आप हमेशा फेमस रहोगे

इंडियन प्रीमियर लीग (ह्वक्क्रु2024) का आगाज हो चुका है. फैंस भी बड़ी एक्साइटमेंट के साथ अपनी फेवरेट टीम को सपोर्ट कर रहे हैं. बीते दिन 2 मैच हुए, इन दोनों मैचों में प्रीति जिंटा और शाहरुख खान की टीम ने जीत हासिल की. दोनों ही को-ओनर अपनी टीम को सपोर्ट करने स्टेडियम में मौजूद रहे. इस दौरान शाहरुख खान और प्रीति जिंटा को देख फैंस को दोनों स्टार्स की आइकॉनिक मूवी 'वीर-जारा'की याद दिला दी. शाहरुख खान अपनी टीम कोलकत्ता नाइट राइडर्स को सपोर्ट करने के लिए कोलकाता के एडेन गार्डन में मौजूद रहे. शाहरुख की मौजदूगी ने फैंस के क्रेज को सांतवे आसमान पर पहुंचा दिया. इस दौरान किंग खान की टीम ने मुकाबले में जीत हासिल की. किंग खान की टीम जहां सनराइजर हैजराबाद से जीती, तो वहीं प्रीति की टीम ने दिल्ली कैपिटल को मात दी. प्रीतिं जिंटा भी अपनी टीम किंग्स इलेवन पंजाब को सपोर्ट करने पहुंची थीं. दोनों एक साथ तो स्टेडियम में नजर नहीं आए लेकिन प्रीति जिंटा को सूट सलवार और खुले बालों में देख फैंस ने शाहरुख को उनके साथ इमैजिन जरूर कर लिया. दरअसल, प्रीति जिंटा का स्टेडियम से एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें उनके खुले बाल हवा में लहराते हुए उनके चेहरे पर आ रहे हैं और वो उन्हें अपने हाथों से हटा रही हैं।

फैंन ने शेयर किया प्रीति का वीडियो: इस वीडियो को शेयर करते हुए एक यूजर ने 'वीर-जारा' में किंग खान का एक डायलॉग याद दिला दिया. वीडियो में शाहरुख का डायलॉग चल रहा है, जिसमें वो कह रहे हैं कि- उसका एक बाल उसकी दाईं आखं को परेशान कर रहा था. वो उसे झटकने की कोशिश कर रही थी लेकिन हवा तेज थी. मैंने उसके बाल हटाने के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया. उसने घबरा के मेरी तरफ देखा. हम दोनों ने पहली बार एक दूसरे को देखा. एक यूजर ने प्रीति जिंटा की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा- अगर इस समय यहां पर शाहरुख खान होते तो वो प्रीति के बालों को उनके चेहरे से हटा देते।

'जन्नत 3' में इमरान हाशमी फिर बनेंगे 'बैड बॉय'

इमरान हाशमी इंडस्ट्री के चर्चित अभिनेताओं में एक हैं। हाल के दिनों इमरान कई बड़ी और हिट फिल्मों में नजर आए। इमरान की हालिया रिलीज वेब सीरीज शो टाइम भी खूब चर्चा में हैं, जहां इमरान अपने किरदार से खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। इंडस्ट्री में इस ऊंचाई पर पहुंचने के लिए इमरान ने लंबा संघर्ष किया, जिसमें साल 2008 में आई फिल्म 'जन्नत' इमरान के करियर की टर्निंग प्वाइंट साबित हुई थी। फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसके बाद साल 2012 इस फिल्म का सीक्वल भी सुपरहिट रहा, बीते 11 साल से दर्शक इस फिल्म के तीसरे पार्ट का इंतजार कर रहे हैं, जिसे लेकर इमरान हाशमी ने बड़ा खुलासा किया है। हाल ही में एक साक्षात्कार में इमरान ने 'जन्नत-3' के बारे में बात की। इमरान ने कहा, मेरे लिए यह सबसे बेहतर चीज होगी। शायद एक नई बोतल में पुरानी शराब जैसी। हालांकि इसके लिए निर्माता महेश भट्ट और मुकेश भट्ट को एक साथ आना होगा, जो शायद काफी मुश्किल है। हां अगर किस्मत में इसका बनना लिखा होगा तो मेरे लिए यह एक चमत्कार जैसा होगा। इमरान ने कहा, आने वाले दिनों मेरी कई नई फिल्मों में नजर आने वाला हूं, जिसमें दर्शक मुझे मेरी पुरानी 'बैड बॉय' वाले किरदार में देख सकेंगे। मैं एक बार फिर से उस तरह की किरदारों को निभाऊंगा। गौरतलब है कि 'जन्नत' इमरान हाशमी के करियर में सबसे महत्वपूर्ण फिल्म रही है। फिल्म की शानदार कहानी और बेहद प्यारे संगीत ने उन्हें दर्शकों के दिलों में बसा दिया। इस फिल्म के बाद इमरान की पहचान लीड रोल वाले अभिनेताओं में शुरू हो गई। इमरान हाशमी ने जन्नत 3 करने के बारे कहा, मुझे ये करना अच्छा लगेगा, शायद नई बोतल में पुरानी वाइन होगी। इसके लिए निर्माताओं को एक साथ आना होगा, जो होते हुए फिलहाल मैं नहीं देख पा रहा हूं। मैं इसे फिर से शुरू करने की कोशिश करूंगा।

सुष्मिता ने छीना था उर्वशी से यूनिवर्स का ताज!

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला अपने टैलेंट के जरिए कम समय में फिल्म इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं. एक्ट्रेस पिछले एक दशक से उर्वशी अपनी एक्टिंग के जरुए फैंस को एंटरटेन करती आ रही हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी अब तक की जर्नी को लेकर एक इंटरव्यू में कई खुलासे किए हैं. साल 2015 में मिस यूनिवर्स का खिताब जीत चुकी एक्ट्रेस ने बताया कि कैसे उन्हें साल 2012 में इस ताज को छोड़ना पड़ा था. एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें सुष्मिता सेन ने मिस यूनिवर्स इंडिया का टाइटल छोड़ने को कह दिया था. मिर्ची प्लस को दिए हुए इंटरव्यू उर्वशी रौतेला अपनी अब तक की जर्नी के बारे में खुलासा करते हुए कहा- साल 2012 में मिस यूनिवर्स इंडिया कम्पिटीशन में पार्टिसिपेंट्स की एज लिमिट सेट कर दी गई थी. इस बात को लेकर उस वक्त ऊर्वशी बेखबर थीं. उन्होंने साल 2012 में आई एम शी मिस यूनिवर्स में पार्टिसिपेट किया था. लेकिन उस वक्त फेमिना मिस इंडिया ने मिस यूनिवर्स के सिलेक्शन राइट्स किसी और को दे दिए थे. इसे सुष्मिता सेन की कंपनी ने उस वक्त टेकओवर कर लिया था. इस हिसाब से सुष्मिता सेन इंडिया के रीप्रेजेंटेटिव को सिलेक्ट करने वाली थी. उर्वशी ने कहा - अब चूंकि उस वक्त मेरी उम्र 18 साल से कम थी इस लिए मुझे डिस्कॉलिफाई कर दिया गया. हमारे बॉस डोनाल्ड ट्रंप थे. क्योंकि वो मिस यूनिवर्स को को-ओन कर रहे थे.

सुष्मिता सेन ने दी थी ये सलाह: उर्वशी ने बताया - कि उस वक्त सुष्मिता सेन ने उन से कहा कि ऊर्वशी तुम नहीं जा सकती हो. एक्ट्रेस ने आगे कहा- सुष्मिता सेन से ये सब सुनने के बाद मुझे लगा कि मैं दुनिया की सबसे बड़ी लूजर हूं. मेरी एज उस वक्त 18 होने वाली थी लेकिन 24 दिन बाद. इसलिए मुझे सिर्फ 24 दिन के फासले के कारण अपना सबसे अहम मौका गंवाना पड़ा. एक्ट्रेस ने बताया कि मैंने बॉलीवुड जॉइन कर लिया. इसके बाद साल 2015 में मैंने फिर से इस कॉन्टेस्ट में पार्टिसिपेट किया और मिस यूनिवर्स के क्राउन को अपने नाम किया।

आईपीएल : कोलकाता की जीत के बाद चेन्नई सुपर किंग्स टॉप पर

पंजाब ने पॉइंट्स में लगाई छलांग, दिल्ली व हैदराबाद का बुरा हाल

नईदिल्ली, एजेंसी

पंजाब और कोलकाता की जीत के बाद पॉइंट्स टेबल में बदलाव आया है. हालांकि चेन्नई सुपर किंग्स अभी भी टॉप पर है. आईपीएल के दूसरे मुकाबले में पंजाब किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स को हरा दिया. वहीं कोलकाता नाइट राइजर्स ने सनराइजर्स हैदराबाद पर जीत दर्ज की. पंजाब और कोलकाता की जीत के बाद पॉइंट्स टेबल में बदलाव आया है. हालांकि चेन्नई सुपर किंग्स अभी भी टॉप पर है. चेन्नई ने सीजन के पहले मैच में आरसीबी को हराया था. सीएसके, पंजाब और कोलकाता के पास 2-2 पॉइंट्स हैं. सीएसके पॉइंट्स टेबल में टॉप पर है. उसके पास 2 पॉइंट्स हैं. इसके साथ ही +0.779 नेट रन रेट है. पंजाब दूसरे नंबर पर है. पंजाब के पास 2 पॉइंट्स हैं और +0.455 नेट रन रेट है. कोलकाता के पास भी 2 पॉइंट्स हैं और उसका नेट रन रेट +0.200 है. आरसीबी पॉइंट्स टेबल में सबसे निचले स्थान पर है. दिल्ली 9वें नंबर पर है और हैदराबाद 8वें नंबर पर है. इन तीनों टीमों का नेट रन रेट माइनस में है. आईपीएल का अगला मैच राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच खेला जाएगा. यह मुकाबला रविवार को जयपुर में आयोजित होगा. इसके बाद गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच मैच खेला जाएगा. गौरतलब है कि शनिवार को खेले गए मैच में कोलकाता ने पहले बैटिंग करते हुए 208 रन बनाए. इस दौरान फिल साल्ट ने अर्धशतक जड़ा. उन्होंने 40 गेंदों का सामना करते हुए 54 रन बनाए. साल्ट ने 3 चौके और 3 छक्के लगाए।

आंद्रे रसेल ने खेली तूफानी पारी

आंद्रे रसेल ने 25 गेंदों का सामना करते हुए 64 रन बनाए. उन्होंने 7 छक्के और 3 चौके लगाए. इसके जवाब में हैदराबाद ने 7 विकेट गंवाकर 204 रन बनाए. उसके लिए हेनिरक क्लासेन ने 29 गेंदों में 63 रन बनाए. वहीं दिल्ली और पंजाब के बीच चंडीगढ़ में मुकाबला खेला गया. दिल्ली ने पहले बैटिंग करते हुए 174 रन बनाए. इसके जवाब में पंजाब ने 19.2 ओवरों में लक्ष्य हासिल कर लिया. पंजाब के लिए सैम कर्रन ने 47 गेंदों का सामना करते हुए 63 रन बनाए. उन्होंने 6 चौके और 1 छक्का लगाया।

आज हार्दिक के सामने गुजरात की चुनौती, मुकाबला अहमदाबाद में, पहली बार कप्तानी करेंगे शुभमन

अहमदाबाद। रविवार को फिर 2 मुकाबले खेले जाएंगे। लखनऊ सुरजायंट्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच दोपहर 3.30 बजे से पहला मैच शुरू होगा। फिर 5 बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस का सामना पिछले 2 बार की फाइनलिस्ट गुजरात टाइटंस से होगा। हार्दिक पंड्या की कप्तानी में गुजरात ने पिछले 2 फाइनल खेले। वह अब रोहित शर्मा की जगह मुंबई की कप्तानी करेंगे। वहीं गुजरात की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे, जो पहली बार किसी टीम की कमान संभाल रहे हैं। मुंबई इंडियंस की टीम आईपीएल की सफल टीमों में शामिल है, टीम ने 5 बार टूर्नामेंट का खिताब जीता है। हालांकि पांचों खिताब रोहित शर्मा की कप्तानी में आए, जिन्हें हटाकर अब मैनेजमेंट ने हार्दिक पंड्या को कप्तान बना दिया। हार्दिक की कप्तानी में मुंबई पहली बार आईपीएल मैच खेलेगी।

बार्कले मैराथन में 60 घंटे की रेस पूरी की

जैस्मीन पेरिस ने रचा इतिहास, पहली महिला एथलीट बनी

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन की 40 वर्षीय जैस्मीन पेरिस ने दुनिया की सबसे कठिन अल्ट्रामैराथन में से बार्कले मैराथन को पूरा करके इतिहास रच दिया। उन्होंने यह रेस 60 घंटे की कट-ऑफ से केवल एक मिनट 39 सेकंड शेष रहते पूरा किया और यह कमाल करने वाली दुनिया की पहली महिला धाविका बन गईं। शुक्रवार को जैसे ही उन्होंने फिनिशिग लाइन पार की, वे निढाल होकर गिर गईं। इस रेस को अब तक सिर्फ 20 धावक ही पूरा कर सके हैं।

कोलंबिया में चल रहा है फुटबॉल टूर्नामेंट

कोलंबिया ने दी मात, स्पेन 8 साल बाद मैत्री मुकाबला हारा

मेलबर्न, एजेंसी

कोलंबिया ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए यहां खेले गए मैत्री मुकाबले में स्पेन को 1-0 से शिकस्त दी। यह किसी मैत्री मुकाबले में स्पेन की आठ साल में पहली हार है। इससे पहले, उसे जून 2016 में जॉर्जिया ने मात दी थी। स्पेनिश टीम ने इस मैच में तीन नए खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने का मौका दिया था। वहीं, कोलंबिया के लिए इस मैच में एकमात्र विजयी गोल डेनिएल म्यूनोज ने 61वें मिनट में किया।

Life&Style METRO

सुबह नींद खुलने के बाद भी घंटों बेड पर पड़े रहने के नुकसान...

अधिकतर लोगों को सुबह उठने में बहुत आलस आता है, जिससे उनमें बीमारी होने का खतरा और अधिक बढ़ जाता है. इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे सुबह-सुबह बेड पर पड़े रहने के कितने नुकसान होते हैं.

जानिए आखिर बेड पर घंटों पड़े रहने के नुकसान

सुबह-सुबह की नींद हर किसी को प्यारी होती है. ऐसे में सुबह नींद खुलने पर भी लोग बिस्तर पर पड़े रहना पसंद करते हैं. क्या आप जानते हैं ऐसा करना हमारे शारीरिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालता है? इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे सुबह-सुबह बिस्तर पर पड़े रहने से आपको क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं. सुबह उठने के बाद बेड पर पड़े रहना एक आम समस्या है, जो कई लोगों में देखी गई है. ऐसा करने से आपको मोटापे जैसी कई बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है. आईए जानते हैं ऐसा करने से हमारे शरीर पर क्या असर पड़ता है...

खतरनाक है बेड पर पड़े रहना

बेड पर पड़े रहने से हमारी पीठ में दर्द हो सकता है साथ ही मांसपेशियों में कठिनाई हो सकती है. इसके अलावा यह हमारे मस्तिष्क की कार्यक्षमता पर भी असर डालता है. कई देर तक बिस्तर में पड़े रहने से थकावट और आलस्य का भी एहसास होता है. यह हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालता है और इससे हमें ऊर्जा की कमी महसूस होती है. आमतौर पर यह दिक्कत सुबह उठने के बाद और रात में सोने से पहले होती है. सुबह नींद खुलने के बाद कई घंटो तक बेड पर पड़े रहने के कई कारण हो सकते हैं जैसे नींद की कमी, आलस्य, मानसिक तनाव, स्वास्थ्य समस्या आदि.

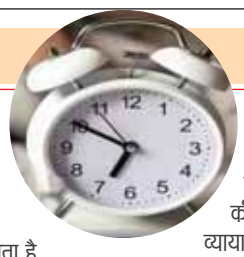

जानें सुझाव: बेड पर लंबे समय तक पड़े रहने से स्वास्थ्य संबंधित कई बीमारियां होने की संभावना बढ़ जाती है. इससे बचाव के लिए आपको अलार्म

भर कर सुबह जल्दी उठने की आदत डालनी चाहिए इसके अलावा सूर्य की रोशनी देखें और व्यायाम करें. हर रात एक ही समय पर सोने की कोशिश करें और सुबह एक ही समय पर उठने की ऐसा करने से बीमारियों से बचे रहने की संभावना बढ़ती है. ध्यान रहें सोने से पहले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अपने से दूर रखें और बिस्तर को आरामदायक साफ सुथरा बनाकर उपयोग में लें. इन उपायों के बाद भी आपको सुबह उठने में परेशानी हो रही है या नींद की समस्या रहती है तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें. ***खबर में दी गई कुछ जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स पर आधारित है. आप किसी भी सुझाव को अमल में लाने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें.***

अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित किया, सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई घटना

टक्कर से 20 फीट हवा में उछला साइकिल सवार 10 फीट दूर खड़ी वैन पर गिरा, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैरसिया इलाके में सुबह एक तेज रफ्तार कार ने आगे जा रहे सायकिल सवार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सायकिल सवार करीब 20 फीट हवा में उछलने के बाद 10 फीट आगे सड़क किनारे खड़ी मारुति वैन पर जाकर गिरा। इससे मारुति वैन क्षतिग्रस्त होकर पीछे लुढ़क गई। ढलान होने के कारण वैन आगे की तरफ आकर घायल और उसकी सायकिल के पास रुक गई। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

यह पूरी घटना सामने स्थित ढाबे पर मौजूद सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। पुलिस टक्कर मारने वाली कार की तलाश कर रही है।

एएसआई राजेश दुबे ने बताया कि देवीराम जाटव पुत्र सोमत सिंह जाटव (45) ग्राम सागौनी कला बैरसिया में रहता था और मजदूरी करता था। रोजाना की तरह शनिवार सुबह करीब आठ बजे वह सायकिल लेकर काम पर जाने के लिए निकला था। सुबह करीब सवा आठ बजे वह जिंदबाबा के पास नवरात्रि ढाबे के सामने पहुंचा, तभी पीछे से भोपाल से बैरसिया की तरफ जा रही एक तेज रफ्तार सफेद रंग की कार ने उसे टक्कर मार दी। कार की टक्कर लगते ही देवीराम करीब 20 फीट हवा में उछला और करीब दस फीट आगे

सड़क किनारे खड़ी एक मारुति वैन पर जाकर गिरा। देवीराम के वैन पर गिरने के कारण मारुत वैन करीब कुछ फीट पीछे की तरफ लुढ़क गई और देवीराम जमीन पर गिर पड़ा। वैन ढलान पर खड़ी थी, इसलिए पीछे जाने के बाद वह आगे बढ़ी और देवीराम के शरीर से पहिया टच होते ही रुक गई।

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई घटना

एएसआई दुबे ने बताया कि यह पूरी घटना ढाबे पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। फुटेज देखने पर पता चला कि सड़क किनारे चल रहे सायकिल सवार को पीछे से आई सफेद रंग की तेज रफ्तार कार ने टक्कर मारी, जिसके कारण वह हवा में उछला था। टक्कर मारने के बाद कार उसी रफ्तार से आगे की तरफ भाग निकली। फुटेज में टक्कर मारने वाली कार मारुति स्विफ्ट डिजायर जैसी लग रही है। उसकी पहचान के लिए आगे और पीछे के सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराया और लाश परिजनों को सौंप दी। इस मामले में मृतक के छोटे भाई रेवाराम जाटव की रिपोर्ट पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

पैसा मांगने पर क्रेशर मालिक को देता है धमकी, प्रकरण दर्ज

रोड निर्माण के लिए गिट्टी लेकर ठेकेदार ने नहीं किया 13 लाख का भुगतान

फाइल फोटो

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रोड निर्माण का ठेका लेने वाले ठेकेदार ने क्रेशर मालिक को करीब 13 लाख रुपए का चूना लगा दिया। दरअसल क्रेशर मालिक रोड निर्माण के लिए गिट्टी सप्लाई करते थे। शुरू में तो ठेकेदार गिट्टी का पैसा बराबार देता रहा लेकिन बाद में करीब 13 लाख रुपए का भुगतान रोक लिया। फरियादी का कहना है कि गिट्टी का पैसा मांगने पर आरोपी ठेकेदार जान से मारने की धमकी देता है। उन्होंने शिकायती आवेदन टीला जमालपुरा पुलिस को दिया था। जांच के बाद पुलिस ने ठेकेदार के खिलाफ अमानत में ख्यानत व धमकी देने का प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक शॉपिंग का प्लेक्स के पास एमआईजी टीला जमालपुरा निवासी अशोक शिवहरे (60) का ग्राम रतुआ में क्रेशर है जबकि इन्द्रपाल सिंह दांगी रोड कांट्रेक्टर है। अयोध्या बायपास स्थित तारा सेवनियां व ट्रांसपोर्ट नगर के पास रोड निर्माण के लिए इन्द्रपाल सिंह जून 2021 से फरियादी अशोक शिवहरे के क्रेशर से गिट्टी की सप्लाई कर रहे थे। इस बीच प्रारंभ में इन्द्रपाल सिंह गिट्टी सप्लाई का पैसा देते रहे लेकिन बाद में करीब 13 लाख रुपए का भुगतान रोक लिया। बार-बार कहने पर भी वह क्रेशर मालिक को पैसा नहीं दे रहे थे। कई बार तो आरोपी इन्द्रपाल ने फरियादी को पैसा मांगने पर जान से मारने की धमकी भी दी। तंग आकर फरियादी ने टीला जमालपुरा पुलिस को शिकायती आवेदन देकर इंसाफ की गुहार लगाई थी। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी इन्द्रपाल सिंह के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

शहर को हमेशा साफ बनाए रखने कार्ययोजना मांगी निगम आयुक्त ने

शहर के मुख्य इलाकों का निरीक्षण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अब राजधानी को स्वच्छ बनाने के लिए नवागत नगर निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण जमीनी स्तर पर नजर रखना शुरू की है। वह शहर के विभिन्न क्षेत्रों के गली - मोहल्लों में घूमे और सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कुछ जगह पर संतोष व्यक्त किया तो कुछ स्थानों पर गंदगी देख नाराजगी व्यक्त की। निगमायुक्त ने सफाई कार्यों की त्रुटियों को दूर करने के लिए अधिकारियों को कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त यागेन्द्र पटेल सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

नगर निगम आयुक्त द्वारा शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने एवं सफाई कार्य की त्रुटियों व व्यवहारिक कठिनाईयों को दूर करने के

लिए शहर के विभिन्न क्षेत्रों की गलियों, मोहल्लों व मार्गों पर साफ-सफाई का निरीक्षण केदौरान उन्होंने चौक क्षेत्र सहित पुराने शहर की अनेक सड़कों, गलियों की बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था पर संतोष भी व्यक्त किया, वहीं अनेक क्षेत्रों में साफ-सफाई व्यवस्था में सुधार लाने, कचरा, गंदगी उठवाने, तालाबों की साफ-सफाई व पार्कों का बेहतर रखरखाव करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी सहायक स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को उच्चस्तरीय बनाने के लिए सफाई कार्यों की त्रुटियों व उन्हें दूर करने की कार्ययोजना वीडियो सहित पीपीटी के माध्यम से तैयार कर मंगलवार को प्रस्तुत करें। निगमायुक्त द्वारा आगामी सप्ताह से रहवासी व व्यवसायिक क्षेत्रों के आंतरिक मार्गों, गलियों आदि में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया जाएगा।

होलिका दहन, रंगपंचमी, नवरात्र और ईद को लेकर धर्मगुरुओं के साथ बैठक

भोपाल। आगामी त्यौहार होलिका दहन, रंगपंचमी, चैत्र नवरात्र, रमजान, ई- उल- फितर त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अवधेश गोस्वामी द्वारा धर्मगुरुओं, गणमान्य नागरिकों एवं शांति समिति के साथ बैठक आयोजित कर त्यौहारों के दौरान शांति एवं सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था, त्यौहारों की तैयारियों, जुलूस मार्ग इत्यादि विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इसके अलावा सुझाव जाने गए एवं सभी त्यौहार शांतिपूर्ण रुप से एवं सौहार्दपूर्वक, भाई चारे की भावना से मनाने की अपील की। उक्त बैठक में समस्त पुलिस उपायुक्त, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, धर्मगुरु, गणमान्य नागरिक एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहें।

महिला शिक्षक के घर से 80 हजार के दो लैपटॉप ले उड़े बदमाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पिपलानी में रहने वाली एक महिला शिक्षक के घर से चोर दो लैपटाप और इयर फोन समेत करीब 80 हजार का सामान चोरी कर ले गए। पुलिस के मुताबिक शिवलोक कालोनी पिपलानी में रहने वाली पूजा महाजन राजगढ़ में शासकीय स्कूल में शिक्षिका है। कालोनी में आमने-सामने उनके दो मकान हैं। एक मकान में बच्चे पढ़ाई करते हैं, जहां स्टडी का पूरा सामान रखा रहता है। बीती बुधवार की रात करीब एक बजे तक बच्चों ने पढ़ाई की और फिर दूसरे मकान में सोने के लिए चले गए। तड़के करीब पांच बजे पूजा ने मकान की लाइट जलती देखी तो वह तुरंत ही मौके पर पहुंची। मकान का ताला खुला मिला और अंदर रखे दोनों लैपटाप समेत अन्य सामान गायब था। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

अस्पताल के सामने छोड़ी गई बुजुर्ग महिला की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बागसेवनिया थानांतर्गत एम्स अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड के पास घायल अवस्था में छोड़ी गई एक बुजुर्ग महिला ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक बीती 6 मार्च की रात को अज्ञात व्यक्ति ने एक बुजुर्ग महिला को घायल अवस्था में अस्पताल के सामने छोड़ा था। महिला ने अपना नाम घुटनबाई (60) बताया था। उसके बाद वह बेहोश हो गई। डॉक्टरों द्वारा महिला का इलाज किया जा रहा था, लेकिन शुक्रवार की रात उसने दम

फाइल फोटो

तोड़ दिया। घायल महिला की जानकारी मिलने के बाद पुलिस अस्पताल पहुंची थी, लेकिन अभी तक महिला के परिजनों और निवास के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। उसे किसने और क्यों अस्पताल के सामने छोड़ा था, इसका खुलासा भी नहीं हो पाया है।

मेट्रो एंकर | बीती रात हुआ हादसा, परिजन ने जताई हत्या की आशंका

अपेक्स बैंक बिल्डिंग से गिरकर युवक की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित अपेक्स बैंक कॉलोनी में बीती रात रिटायर्ड बैंककर्मी के बेटे की बिल्डिंग से गिरने से मौत हो गई। वह कौनसे फ्लौर से गिरा यह किसी को पता नहीं है। परिजन ने हत्या की आशंका जताई है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। आज पीएम के बाद परिजन को शव सौंपा जाएगा। पुलिस के अनुसार पुष्पेंद्र कुमार सोनी पिता श्रवण कुमार सोनी (32) ई-63, अपेक्स बैंक कॉलोनी पीएनटी चौराहा, कमला नगर में रहता था और प्राइवेट काम करता था। पुष्पेंद्र के पिता श्रवण कुमार अपेक्स बैंक में नौकरी करते थे और अभी दिसंबर में ही उनका रिटायर्डमेंट हुआ है। अभी उन्होंने शासकीय आवास खाली नहीं किया था। श्रवण कुमार ने बताया कि कल रात करीब साढ़े 11 बजे के आसपास पुष्पेंद्र सीढ़ियों के

फाइल फोटो

पास वाली गैलरी से नीचे गिर गया। नीचे गिरने की आवाज और लोगों का शोर सुनकर वे नीचे पहुंचे तो उन्होंने बेटे पुष्पेंद्र को नीचे पड़े देखा?था। परिजन उसे उठाकर हजेला अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां कुछ देर बाद ही डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पैर बुरी तरह से टूटे

ऊंचाई से गिरने के कारण पुष्पेंद्र के पैर टूटे है। अनुमान है कि उसने खुद ही छलांग लगाई?है। हालांकि परिजन का कहना है कि उसे किसी ने धक्का दिया है। हालांकि परिजन ने अभी तक किसी पर संदेह व्यक्त नहीं किया है।

कुछ दिन पहले ही छोड़ी थी शराब

पुष्पेंद्र का दो महीने का बेटा है। वह शराब पीने का शौकीन था, लेकिन कुछ दिन पहले ही उसने शराब पीनी छोड़ी थी। पुलिस का कहना है कि शव पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद ही पता चल सकेगा कि घटना के समय वह शराब के नशे में था या नहीं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022